पटना ● शनिवार, 10 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः210 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

यूजी सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा... 3 www. bordernewsmirror.com खेल खेल में का नया... 8

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में चांदीपुरा वायरस का कहर

बच्ची की मौत

● संक्रमित बच्ची की मौत के बाद पूरे प्रदेश में हड़कंप

शाहपुरा/जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में चांदीपुरा वायरस का कहर अब बढ़ता जा रहा है। एक बच्ची की जोधपुर एम्स में पॉजीटिव रिपोर्ट के बाद पहली मौत की खबर ने चिकित्सा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। चांदीपुरा वायरस से प्रदेश में यह पहली मौत है। शाहपुरा जिले की 2 साल की मासूम बच्ची इशिका वायरस की चपेट में आई थी। गुरुवार देर रात अहमदाबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस बच्ची की बीते दिनों अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद परिजन उसे अहमदाबाद ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा था। इधर, वायरस को लेकर चिकित्सा विभाग भी अलर्ट हो गया है। यह मामला शाहपुर जिले के कोठिया ग्राम पंचायत के एक गांव ईंटडिया का है, जहां कीर परिवार की 2 साल की मासूम बच्ची की अचानक 5 अगस्त को तबीयत खराब हो गई।

शांति का दूत बनकर यूक्रेन जाएंगे पीएम मोदी

● तारीख हो गई पक्की, रूस के तेवर भी पड़ेंगे ढीले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को शांति का अग्रदूत बनकर यूक्रेन की यात्रा पर जाने वाले हैं। सरकारी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा का उद्देश्य दो साल से चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की गारंटी देना है। इससे पहले जुलाई में मॉस्को में भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया कि यूक्रेन संकट का सैन्य समाधान संभव नहीं है। बम, गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होगी।

आईएसआईएस का मोस्ट वॉन्टेड आतंकी गिरफ्तार

● एनआईए ने रखा था 3 लाख का ईनाम, रात 11 बजे हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजधानी में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर एक मोस्ट वॉन्टेट आतंकी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि उसके पास के एक हथियार भी बरामद किया गया है। रिजवान को दिल्ली से ही गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आतंकी रिजवान अली दिल्ली के दरियागंज इलाके का रहने वाला है और पुणे मॉड्यूल का मुख्य संचालक है। पिछले साल जुलाई 2023 में पुणे पुलिस की हिरासत से भागने के बाद से वह फरार चल रहा था। एनआईए समेत देश की तमाम एजेंसियां काफी समय से इसकी तलाश में जुटी हुई थीं। एनआईएकी की मोस्ट वॉन्टेट लिस्ट में शामिल इस आतंकी पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

अब और देरी नहीं, जम्मू-कश्मीर में चुनावी बयार

चुनाव आयोग के सामने एनसी से बीजेपी तक सभी एक सुर में बोले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से प्रतीक्षित विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने गुरुवार को श्रीनगर का दौरा किया। चुनाव से पहले की स्थिति का आकलन के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग की टीम ने राजनीतिक दलों, सुरक्षा एजेंसियों, और स्थानीय प्रशासन के साथ मुलाकात की। इस दौरे के दौरान, चुनाव आयोग की टीम ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की और राज्य में चुनाव कराने के लिए जरूरी कदमों पर विचार-विमर्श किया। राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा करने के लिए चुनाव आयोग की यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में पिछले आठ वर्षों से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। अंतिम बार 2014 में राज्य में विधानसभा चुनाव हुए थे और तब से राज्य विशेष राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों से गुजर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के बाद राज्य में पहली बार चुनाव होने जा रहे हैं, इसलिए यह यात्रा और भी अहम हो जाती है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग की टीम ने श्रीनगर में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इन दलों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी शामिल थीं। इस बैठक में सभी दलों ने अपनी-अपनी राय प्रस्तुत की और जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग की। सभी दल इस बात पर एकमत थे कि राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए अब और देरी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा चुनाव आयोग की टीम ने राज्य के 20 जिलों के पुलिस प्रमुखों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ भी बैठकें कीं।

यह बैठकें राज्य में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने और चुनाव के दौरान किसी भी संभावित चुनौती का सामना करने के लिए की जा रही हैं। आयोग ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी के पोले और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी स्थिति की समीक्षा की। आयोग की तीन दिवसीय यात्रा का समापन 10 अगस्त को जम्मू में होगा, जहां आयोग प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक करेगा। इस बैठक में राज्य की सुरक्षा स्थिति पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा और चुनाव के समय और प्रक्रिया पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर की समयसीमा तय की हुई है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि राज्य में चुनाव कराने की प्रक्रिया इस समय सीमा के भीतर पूरी की जानी चाहिए। अब जबकि चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है, राज्य में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए सरकार हुई ऐक्टिव

अमित शाह ने बनाई कमेटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने बांग्लादेश में चल रहे हालात को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ बातचीत बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा, बांग्लादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा हालात पर नजर रखने के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संवाद बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार हरसंभव प्रयास करेगी ताकि बांग्लादेश में भारतीय और हिंदू समुदायों के हितों की रक्षा की जा सके। इस समिति को विशेष रूप से भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा और स्थिति पर नजर रखने का कार्य सौंपा गया है।

...तो राज्यसभा वाले समीकरण के चलते अटका वक्फ बिल!

जेपीसी को भेजने के पीछे मोदी सरकार का बड़ा सियासी दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के इस निचले सदन में गुरुवार को विधेयक पेश किया। उससे पहले विधेयक पर एक संक्षिप्त चर्चा हुई जिसमें पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने हिस्सा लिया। फिर विपक्ष के उठाए सवालों का मंत्री रिजिजू ने जवाब दिया। आखिर में उन्होंने कहा कि अगर सदस्य विधेयक को विचार के लिए जेपीसी के पास भेजा जाए तो सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों को आश्वासन दिया कि विधेयक पर विचार के लिए जेपीसी का गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में यह मामला थोड़ा हटकर है जब सरकार किसी विधेयक को इतनी आसानी से जेपीसी के पास भेजने पर सहमत हो गई। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा में तो पेश कर दिया गया, लेकिन राज्यसभा में इसे अगले सत्र में पेश किया जाएगा। संसद का शीतकालीन सत्र नवंबर-दिसंबर महीने में आहूत होगा। तब तक राज्यसभा का समीकरण सत्ताधारी दल बीजेपी के पक्ष में आ जाएगा। 3 सितंबर को राज्यसभा की 12 सीटों पर होने वाले चुनावों में सत्ताधारी एनडीए के सदस्य चुने जाने की उम्मीद है। अगले सत्र से पहले अगर राज्यसभा के चार नामित सदस्यों की खाली सीटों को भर दिया गया तो सदन में सरकार का हाथ और मजबूत हो जाएगा। पिछले महीने ही ये चारों सीटें खाली हुई हैं। ये चार सदस्य आ गए तो सरकार को राज्यसभा में बहुमत पाने के लिए एआईएडीएमके जैसे बाहरी सहयोगियों की राह नहीं तकनी होगी। राज्यसभा में अभी छह नामित और दो निर्दलीय सदस्य हैं। इन्हें मिलाकर एनडीए के खेमे में राज्यसभा के कुल 117 सदस्य हैं जबकि बहुमत का आकंड़ा 119 का होता है।

यासीन मलिक अब दिल्ली हाईकोर्ट में खुद लड़ेगा अपना केस

हाईकोर्ट ने दी अनुमति, एनआईए की याचिका पर चल रही है सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंक के लिए फंडिंग मामले में दोषी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को उम्रकैद के बजाय फांसी की सजा सुनाए जाने को लेकर एनआईए की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई में शुक्रवार को एक नया मोड़ आया। यासीन मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच के समक्ष पेश किया गया। यासीन मलिक ने बेंच से अपनी पैरवी खुद करने की मंशा जाहिर की, जिसे बेंच ने मंजूर कर लिया। अलगाववादी संगठन 'जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट' का प्रमुख यासीन मलिक आतंकवाद के फंडिंग मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे यासीन मलिक ने हाईकोर्ट से कहा कि वह अपनी पैरवी खुद करना चाहता है। उसे किसी कानूनी परामर्श की जरूरत नहीं है।

17 महीने बाद जेल से बाहर आए मनीष सिसोदिया

● सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत, कहा-मौलिक अधिकार भी कोई चीज है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। सर्वोच्च कोर्ट के निर्देश के बाद सिसोदिया जेल से बाहर आ गए हैं। सिसोदिया की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए कहा है कि सीबीआई और ईडी की ओर से दर्ज केस के ट्रायल में अभी देरी है लिहाजा सिसोदिया को जमानत दी जाती है। जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि सिसोदिया करीब 17 महीने से जेल में हैं और अभी ट्रायल शुरू नहीं हो पाया है। आरोपी सिसोदिया को स्पीडी ट्रायल का अधिकार है लेकिन इस अधिकार से वह वंचित हो रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि हाल के के फैसले के नजीर का हवाला दिया और कहा कि जांच एजेंसी केस की गंभीरता का हवाला देकर जमानत का विरोध नहीं कर सकती है। अगर स्पीडी ट्रायल सुनिश्चित नहीं करा सकती है तो सिर्फ केस की गंभीरता के आधार पर जमानत का विरोध नहीं किया जा सकता है।

जया बच्चन धनखड़ से बोलीं-आपकी टोन ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। संसद की कार्यवाही के 15वें दिन सभापति धनखड़ और सपा सांसद जया बच्चन के बीच बहस हुई थी। दरअसल, धनखड़ ने सपा सांसद को जया अमिताभ बच्चन कहकर संबोधित किया था। इस पर जया बच्चन ने सभापति की टोन पर आपत्ति जताते हुए कहा- मैं कलाकार हूं। बॉडी लैंग्वेज समझती हूं। एक्सप्रेशन समझती हूं। मुझे माफ कीजिए, लेकिन आपके बोलने का टोन स्वीकार नहीं है। यह सुनकर धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने कहा- आप अपनी सीट पर बैठ जाइए। आप जानती हैं कि एक एक्टर को डायरेक्टर कंट्रोल करता है। मैं हर दिन अपनी बात दोहराना नहीं चाहता। हर दिन मैं स्कूली शिक्षा नहीं देना चाहता। सभापति जगदीप धनखड़ ने आगे कहा कि आप मेरी टोन पर सवाल उठा रही हैं। इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा।

पहले मां को हुई जेल, फिर बेटी ने गंवाई अपनी नौकरी

अब पूजा खेडकर के पिता पर भी दर्ज हुआ केस

पुणे (एजेंसी)। धोखाधड़ी और गलत तरीके से ओबीसी तथा दिव्यांग कोटा का लाभ हासिल करने की आरोपी भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व अधिकारी पूजा खेडकर के पिता पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकी है। कुछ दिन पहले ही पूजा खेडकर की मां को जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा किया गया था। अब उनके पिता भी जेल जा सकते हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ पुणे जिले में एक लोक सेवक को धमकाने और उसकी ड्यूटी में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पुणे जिला कलेक्ट्रेट के एक तहसीलदार स्तर के अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यहां बंडगार्डन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने बताया,शिकायत में कहा गया है कि पूजा खेडकर की सहायक कलेक्टर के रूप में तैनाती के दौरान दिलीप खेडकर ने कथित तौर पर तहसीलदार दीपक अकाडे के खिलाफ धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया और उनसे अपनी बेटी के लिए एक केबिन आवंटित करने के लिए कहा। पूजा के पिता को प्रशासनिक कामकाज में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। संघ लोक सेवा आयोग ने हाल ही में पूजा का चयन रद्द कर दिया और उन्हें सभी चयनों से स्थायी रूप से वंचित कर दिया।

वायनाड में जमीन से आई रहस्यमयी आवाज, लोगों में दहशत

केरल हाईकोर्ट बोला-समस्या ये है कि हमारे पास कानून, लेकिन अमल नहीं हो पाते

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड वाले इलाकों में शुक्रवार की सुबह 10.15 बजे जमीन के नीचे से आई रहस्यमयी तेज आवाज से लोग दहशत में है। अधिकारियों ने कहा कि अंबालावायल गांव और व्यथिरी तालुका में आज सुबह जमीन के नीचे तेज आवाज सुनाई दी है। वायनाड के डीएम डी आर मेघश्री ने बताया कि घटना के बाद से इलाके के लोग डरे हुए हैं। सभी को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि रिक्टर स्केल में भूकंप के संकेत नहीं मिले हैं। आवाज किस कारण से आई है इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल इलाके के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वहीं, वायनाड लैंडस्लाइड पर केरल हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है। जस्टिस जयशंकरन नांबियार और जस्टिस वीएम श्यामकुमार की बेंच ने आज इस पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- यदि पर्यावरण ऑडिट किया गया है, तो हमें इसकी रिपोर्ट चाहिए। समस्या यह है कि हमारे पास कई कानून हैं, लेकिन जमीन पर नजर नहीं आते। हम इस मामले पर हर शुक्रवार को सुनवाई करेंगे। अगली सुनवाई 16 अगस्त को होगी। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को महाधिवक्ता को तलब किया और उन्हें कानून सहित मामलों पर विचार करने कहा। साथ ही कहा कि सरकार को सोचना चाहिए कि अवैध खनन और बाढ़ जैसी चीजों को रोकने के लिए कानूनी तौर पर क्या किया जा सकता है। बेंच ने कहा कि केरल के कुछ क्षेत्र ईको सेंसेटिव जोन हैं। इस पर फिर से सोचने की जरूरत है कि क्या यहां सस्टेनेबल डेवलपमेंट संभव है। यदि जरूरी हो तो इन मामलों में विनियमों को निरस्त किया जाना चाहिए।

कृष्ण जन्मभूमि मामले में सर्वे पर जारी रहेगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे पर रोक लगाने वाले अपने पिछले आदेश को नवंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर व्यापक बहस की आवश्यकता है। इस महीने की शुरुआत में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा जारी संबंधित आदेश को भी ध्यान में रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने हाईकोर्ट के एक अगस्त के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मुकदमों में सुनवाई जारी रह सकती है। मस्जिद प्रबंधन समिति की चुनौती को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने सुनवाई शुरू करने के लिए 12 अगस्त की तारीख तय की है।

गुरुजी टीईटी में थे फेल, फर्जी प्रमाणपत्र पर वर्षों से कर रहे थे नौकरी, शिक्षा विभाग ने 5 को किया बर्खास्त

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में फर्जी टीईटी प्रमाणपत्र पर बहाल शिक्षकों का खुलासा हुआ है। ये शिक्षक टीईटी में फेल हैं, लेकिन वर्षों से फर्जी प्रमाणपत्र पर नौकरी कर रहे थे। ऐसे पांच शिक्षकों की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की जा रही है। एफआईआर कराने का भी आदेश दिया गया है। इस खुलासे के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

कहा जा रहा है कि ठीक से जांच हुई तो बड़ी संख्या में फर्जी शिक्षकों का खुलासा होगा। जिले में पारू प्रखंड में ये शिक्षक पकड़े गए हैं। बिहार बोर्ड ने इन शिक्षकों के टेट सर्टिफिकेट जांच के बाद इनकी सूची जिले को भेजी है। फर्जी प्रमाणपत्र पर बहाल के साथ-साथ राशि गबन मामले में अब इनपर प्राथमिकी का आदेश दिया गया है। जनवरी 2023 में इन शिक्षकों का वेतन बंद किया गया था। कोर्ट में मामला चल रहा था। विभाग ने प्रमाणपत्र सत्यापन को लेकर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को इनका प्रमाणपत्र भेजा था।

बिहार बोर्ड ने जांच के बाद पांच शिक्षकों का टीईटी में फेल होने का प्रमाणपत्र भेजा है। यह है पूरा मामला डीपीओ स्थापना नासिर हुसैन ने बताया कि ये शिक्षक अपने वेतन को लेकर कोर्ट में गए थे। इन शिक्षकों का आरोप था कि अकारण ही उनका वेतन भुगतान स्थगित है। इसके बाद इन शिक्षकों के टेट प्रमाणपत्र को सत्यापन के लिए बिहार बोर्ड के पास भेजा गया था। प्रमाणपत्र का सत्यापन होकर मिल गया है। बिहार बोर्ड ने इन पांच शिक्षकों के टीईटी प्रमाणपत्र में नॉट क्वालिफाइड अंकित कर भेजा है। प्रमाणपत्र सत्यापन से स्पष्ट होता है कि इन शिक्षकों द्वारा फर्जी ढंग से टीईटी प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर नियोजन प्राप्त किया गया। अब इन शिक्षकों की सेवा समाप्ति का निर्देश दिया गया है। इनपर प्राथमिकी भी दर्ज कराने को कहा गया है। डीपीओ ने कहा कि पारू प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी और प्रखंड शिक्षक नियोजन इकाई को इस संबंध में निर्देश दिया गया है।

विभाग ने इन शिक्षकों पर की कार्रवाई

जिन शिक्षकों पर कार्रवाई की गई है, उनमें उत्क्रमित मध्य विद्यालय ठेंगपुर के नुरुल हुदा (टीईटी में 29 अंक), उत्क्रमित मध्य विद्यालय काजी मोहम्मदपुर के एनुअल हक (टीईटी में 45 अंक), उत्क्रमित मध्य विद्यालय जगन्नाथपुर नयागांव की सीमा कुमारी (टीईटी में 20 अंक), उत्क्रमित मध्य विद्यालय टरवा मछौलीया के मोहम्मद नासीर अहमद (टीईटी में 19 अंक) और उत्क्रमित मध्य विद्यालय फुलवरिया के मोहम्मद कामरान सिद्दीकी (टीईटी में 13 अंक) शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

संविधान विश्व का सर्वोच्च विधान : प्रो. इफ्तेखार

दरभंगा, एजेंसी। मिल्लत कॉलेज में खेल एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को हमारे संविधान की विशेषताएं विषय पर भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानाचार्य प्रो. इफ्तेखार अहमद की अध्यक्षता में किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. अहमद ने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सर्वोच्च विधान है, जिसमें महत्वपूर्ण राजनीतिक सिद्धांतों, शक्तियों और सार्वजनिक प्राधिकरण की जिम्मेदारियों की व्याख्या की गई है। भारतीय संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है जो हमारे महान लोकतंत्र का आधार स्तंभ है। खेल प्रभारी सह भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. महेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि हमारा संविधान देश का मौलिक कानून है जिसमें सरकार के विभिन्न अंगों के बीच समन्वय की स्पष्ट व्याख्या की गई है। डॉ. मुस्तफा कमाल अंसारी ने सभी से संविधान का सम्मान करने एवं संविधान की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने की अपील की। संचालन डॉ. सोनी शर्मा ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सियाराम प्रसाद, डॉ. जमशेद आलम, डॉ. शाहनवाज आलम, डॉ. राज किशोर पासवान, डॉ. मुश्ताक समेत कई शिक्षक, कर्मी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

व्यापारी के हाथों अनाज बेचते पीडीएस डीलर को पकड़ा

दरभंगा/अलीनगर, एजेंसी। प्रखंड के मिल्की टोला गांव निवासी जन वितरण प्रणाली के विक्रेता अशोक राम को गुरुवार की दोपहर ग्रामीणों ने गेहूं व चावल की बिक्री करते हुए रंगेहाथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीण प्रमोद यादव सहित अन्य ने थानाध्यक्ष विनय मिश्रा को फोन कर डीलर द्वारा एक व्यापारी के हाथों अनाज बेचते हुए पकड़ने की जानकारी दी। थानाध्यक्ष ने तत्काल पुलिस बल को भेजकर जुगाड़ गाड़ी पर लादे गए गेहूं एवं चावल के साथ पिरहौली गांव निवासी व्यापारी मदन चौधरी को पकड़कर थाना लाया। सूचना मिलते ही एमओ कल्पना कुमारी थाना पर पहुंचकर स्थिति से अवगत हुईं। इस बाबत व्यापारी मदन चौधरी ने बताया कि कोई व्यक्ति कैसे और कहां से उनके हाथों अनाज बेचता है यह उन्हें मालूम नहीं है। वे तो बस पैसे देकर दिन के उजाले में अनाज खरीदते हैं। इससे पहले भी वे यहां से खरीदारी करते रहे हैं। वहीं, एमओ सुश्री कुमारी ने थानाध्यक्ष से मिलने के बाद जन वितरण दुकान पर पहुंचकर स्टॉक पंजी एवं गोदाम का जायजा लिया। कुछ ग्रामीण लाभुकों ने पूछताछ के क्रम में बताया कि उन्हें तीन से पांच किलो तक कम अनाज मिलता है। एमओ ने थानाध्यक्ष को बताया कि वरीय अधिकारी से मिलकर उचित एवं आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। तब तक व्यापारी एवं अनाज सहित गाड़ी भी थाने पर रहेगी। एमओ ने कहा कि स्टॉक के अनुसार कुछ बोरी कम थी तो कुछ फर्श पर बिखरी पड़ी थी। आवेदनकर्ता प्रमोद यादव सहित अन्य ने कहा कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। उधर, थानाध्यक्ष विनय मिश्रा ने कहा कि एमओ के आवेदन पर पीडीएस विक्रेता अशोक राम और व्यवसायी मदन चौधरी पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पीडीएस विक्रेता को नौ बोरी गेहूं व दो बोरी चावल बेचते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया है। मौके से विक्रेता गायब है। व्यवसायी पुलिस की गिरफ्त में है।

संसाधनों के दोहन से बिगड़ा प्रकृति का संतुलन : डॉ. झा

दरभंगा, एजेंसी। प्रकृति के कुपित होने से मानसून का चरित्र बदल गया है। प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के चक्कर में मानव ने इतना अनुसंधान कर लिया है कि उसका बैलेंस गड़बड़ा गया। इससे आसमान में बादल मंडरा रहे हैं, पर बारिश नहीं हो रही है। लनामिवि के पीजी भूगोल विभाग में मानसूनी वर्षा की अनियमितता के कारण एवं परिणाम विषयक सेमिनार में मुख्य वक्ता पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. टुनटुन झा अचल ने ये बातें कही। डॉ. अचल ने बताया कि जिस हिस्से में वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हुई है, वहां मानसूनी अनियमितता हो रही है। साथ ही बादलों का टूटना, बिजली गिरना, बारिश से बाढ़ आदि जैसी आपदाओं में वृद्धि हुई है। इससे निजात पाने का सबसे बेहतर उपाय पौधरोपण है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानसून का आधुनिक अध्ययन दो वर्षों पुराना है। इससे पहले भारत के किसान डाक वचनों से मानसून का अंदाजा लगाते थे। आज भी डाक के वचनों की प्रासंगिकता बरकरार है। विषय प्रवेश कराते हुए डॉ. अनुरंजन कुमार ने कहा कि मानसूनी अनियमितता अरेबियन करंट के मजबूत बने रहने और बंगाल करंट के कमजोर पड़ने से हो रही है। इसी की वजह से बाढ़ग्रस्त क्षेत्र मिथिला में वर्षा का अनुपात घट गया है और राजस्थान जैसे रेतीले स्थलों पर बाढ़ आ रही है।

किसानों पर नीतीश सरकार मेहरबान; झारखंड, छत्तीसगढ़ की तर्ज पर धान पर बोनस का ऐलान

पटना , एजेंसी। बिहार के धान किसानों के लिए खुशखबरी है। पैक्सों और व्यापार मंडलों में धान बेचने पर उन्हें बोनस दिया जाएगा। इस पर सहकारिता विभाग और खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में सहमति बन चुकी है। अब वित्त विभाग की सहमति मिलने पर इस प्रस्ताव को राज्य सरकार की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मंजूरी मिल जाने के बाद किसानों को जल्द से जल्द बोनस का लाभ मिलेगा। सहकारिता विभाग की गुरुवार को हुई बैठक में विभागीय योजनाओं एवं बजट व्यय की समीक्षा की गई। इसी बैठक में खरीफ विपणन योजना वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति में राज्य के किसानों को बोनस देने पर विचार किया गया। मंत्री प्रेम कुमार ने बताया कि इस संबंध में अन्तर्विभागीय समन्वय भी स्थापित किया जा रहा है। सरकार के स्तर पर आगे भी सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। धान खरीद पर खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से राशि मिलती है। इसलिए अंतिम निर्णय खाद्य आपूर्ति विभाग के स्तर से ही होगा। दरअसल, धान खरीद बढ़ाने और किसानों को धान का ज्यादा मूल्य देने के लिए विभाग इस पर विचार कर रहा है। इस वर्ष पड़ोसी राज्यों झारखंड और छत्तीसगढ़ में धान खरीद पर किसानों को बोनस दिया गया था। बिहार में धान की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रुपये प्रति क्विंटल पर हुई थी। झारखंड में किसानों को 117 रुपये बोनस देकर 2300 रुपये प्रति क्विंटल धान लिया गया। छत्तीसगढ़ में किसानों को 917 रुपये बोनस लेकर 3100 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान किया गया। बिहार में धान

का बाजार मूल्य भी 2200 से 2400 रुपये प्रति क्विंटल रहा। इसलिए किसानों ने पैक्सों की बजाय व्यापारियों को धान बेचा था। इस वर्ष करीब 30 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हुई थी। एक साल पहले 42 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी।

20 जिलों में विशेष किस्म के टमाटर लगेंगे

बैठक में बताया गया कि सब्जी उत्पादन एवं प्रसंस्करण समितियों, संघों तथा फेडरेशन में बहाली के लिए कार्मिक नीति तैयार की जा रही है। शीघ्र ही समितियों में नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। राज्य के 20 जिलों में विशेष किस्म के आलू एवं टमाटर की खेती करने हेतु पौधों एवं बीजों के क्रय हेतु आवश्यक प्रक्रिया की जा रही है। इससे राज्य में आलू एवं टमाटर की प्रोसेसिंग वेराइटी की फसल प्राप्त होगी।

मक्का खरीद में एजेंसी की रुचि नहीं

समीक्षा में बताया गया कि राज्य में इस वर्ष मक्का अधिप्राप्ति के लिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता फेडरेशन (एनसीसीएफ) नोडल एजेंसी है। एनसीसीएफ के रुचि नहीं लेने के कारण मक्का अधिप्राप्ति प्रभावित हो रही है। इस वर्ष 205 गोदामों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। शीघ्र ही इनका निर्माण कराया जाएगा। विभागीय पदाधिकारी को प्रशिक्षण के लिए आईआईएम इंदौर भेजने पर सहमति बनी।

बैठक में मंत्री प्रेम कुमार, प्रधान सचिव संतोष कुमाल मल्ल, विशेष सचिव बिरेन्द्र प्रसाद यादव, अपर निबंधक प्रभात कुमार, सैय्यद सरवर हुसैन, संयुक्त निबंधक भरत कुमार, विकास कुमार, ललन शर्मा, संतोष झा, शंभूसेन कुमार, निसार अहमद, संजय कुमार, कामेश्वर ठाकुर, अमर झा, उप निबंधक प्रवीण कुमार सिन्हा आदि मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर में गिरिराज सिंह चौक का बैनर लगा, जिला प्रशासन बोला- कार्रवाई होगी

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के प्रमुख व्यापारिक शहर मुजफ्फरपुर में कलमबाग चौक पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज चौक के नाम पर गिरिराज चौक का बैनर लगा दिया गया है। चौक का नाम बदलने की खबर ना जिला प्रशासन को है और ना ही नगर निगम को। गिरिराज सिंह फैंस क्लब नाम के संगठन ने मुजफ्फरपुर नगर निगम से कलमबाग चौक का नामकरण गिरिराज चौक करने की मांग की है। बताते चलें कि गिरिराज बेगूसराय से दूसरी बार सांसद बने हैं और पहले एक बार नवादा से भी लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं।

लखीसराय जिले के बड़हिया इलाके के रहने वाले गिरिराज सिंह की छवि एक कट्टर हिंदूवादी नेता की रही है। मिली जानकारी के अनुसार शहर के मशहूर कलमबाग चौक के पास अचानक से गिरिराज चौक का बोर्ड लगा दिया गया है। गिरिराज सिंह फैंस क्लब ने यह बोर्ड लगाने का दावा किया है। गुरुवार को कलमबाग चौक से आगे मोड़ पर अचानक से गिरिराज चौक का बोर्ड लगा दिया गया। वहां से गुजरने वाले लोग देखकर चर्चा करने लगे कि इस चौक का नाम कब से गिरिराज चौक हो गया है। चौक का नाम बदलने की कोई सरकारी घोषणा तक नहीं की गई है। इधर, जिला प्रशासन ने ऐसी किसी जानकारी से इनकार किया है। प्रशासन ने कहा है कि इसकी जांच कर मामले में समुचित कार्रवाई की जाएगी।

गिरिराज चौक का बोर्ड लगाने के संबंध में एसडीओ पूर्वी अमित कुमार ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं आया है। उन्होंने कहा कि किसी शरारती तत्व ने ऐसा किया है। वहीं गिरिराज सिंह फैंस क्लब के संरक्षक देवांशु किशोर ने कहा है कि गिरिराज सिंह हिन्दू हृदय सम्राट हैं, इसलिए स्थानीय लोगों ने चौक को गिरिराज चौक का नाम दिया है। किशोर ने कहा कि स्थानीय लोग नगर निगम बोर्ड से आग्रह करेंगे कि वह इस चौक का नामकरण गिरिराज चौक करने के लिए समुचित कदम उठाए।

राजगीर में बनी पक्षीशाला, अगले माह उद्घाटन:सौ से अधिक प्रजातियों को रखने की होगी व्यवस्था

प्राकृतिक वातावरण के लिए दो सौ से अधिक लगाए पौधे

नालंदा, एजेंसी। राजगीर की जू-सफारी में सूबे की सबसे ऊंची पक्षीशाला (बर्ड एवियरी) बनकर तैयार है। सितंबर महीने में इसका उद्घाटन किया जाएगा। इस पक्षीशाला में देसी-विदेशी पक्षियों की 100 से अधिक प्रजातियों को रखने की व्यवस्था की गई है। आधा हेक्टेयर में फैली इस एवियरी की ऊंचाई 50 फीट है। पक्षियों के आवास के समीप वैज्ञानिक नाम के साथ, उनकी जीवन-प्रणाली से संबंधित होर्डिंग लगी होगी। इससे छात्र और पक्षी विज्ञान के शोधार्थी जानकारियां ले सकेंगे।

एवियरी के इंचार्ज अरविंद कुमार ने बताया कि यह पक्षियों के रखरखाव की घेरानुमा बड़ी संरचना है। पक्षी यहां आकाश में उड़ने का बखूबी लुत्फ उठा सकेंगे। छोटे पंछी इसमें से बाहर जाकर उन्मुक्त गगन में भी विचरण कर सकेंगे। एवियरी में कई झाड़ियों के अलावा बांस, फलदार व फूलदार 200 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इनमें शहतूत, लक्ष्मण फल, रामफल, सीताफल, अमरूद, सेमल, सलैया शामिल हैं। ऐसे में एवियरी के अंदर प्राकृतिक वातावरण का पक्षी अनुकरण करते हैं। एवियरी के चारों ओर 6 फीट गोलाई में बटर फ्लाई पार्क बनाया गया है। जलीय पक्षियों की सुविधा के लिए तालाब भी बनाए गए हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी एवियरी दक्षिण अफीका में है

उप निदेशक राकेश कुमार ने बताया कि एवियरी का प्राचीन उपयोग 1500 के दशक से भी पहले का है। लेकिन, आधुनिक तरीके से पहली बड़ी एवियरी वर्ष 1880 में रॉटरडैम चिड़ियाघर में स्थापित की गई थी। दुनिया की सबसे बड़ी एवियरी दक्षिण अफ्रीका में है। राजगीर जू-सफारी के निदेशक हेमंत पाटिल ने बताया कि

देश की अन्य एवियरी से अलग

राजगीर बर्ड एवियरी प्रदूषण से बचाव और बेहतर जल प्रबंधन के कारण देश की अन्य पक्षीशालाओं से अलग है। यहां वेबनेट यानि जाली स्टील की बनी है, लेकिन इसकी डिजाइन ऐसी है कि पक्षियों को टकराने के बाद भी चोट महसूस नहीं होगी।

राजगीर पक्षीशाला बनकर तैयार है। पक्षी लाने के लिए आवेदन किया जा चुका है। पक्षियों के आते ही इसे सैलानियों के लिए खोल दिया जाएगा। यह कई मायने में देश की अन्य एवियरी से अनोखी है।

ट्रेन से गिरकर मौत पर पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, मृतक के परिजन को 8 लाख मिलेंगे

पटना , एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने ट्रेन से गिरकर होने वाली मौतों के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। इस आदेश से आमजनों को बड़ी राहत मिलेगी। कोर्ट ने ऐसे मामलों में आठ लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी सूरत में आठ लाख रुपये से कम का मुआवजा नहीं मिलेगा। न्यायमूर्ति सुनील दत्त मिश्रा की एकलपीठ ने शत्रुघ्न साहू की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। बिहार में ट्रेन से गिर कर मौत की घटनाएं अक्सर होती रहती है। कोर्ट ने रेल मंत्रालय की ओर से जारी गजट अधिसूचना 22 दिसम्बर 2016 का हवाला देते हुए कहा कि मुआवजा को लेकर उत्पन्न भ्रम को समाप्त करने के लिए मुआवजा राशि को बढ़ाकर आठ लाख रुपये कर दिया गया है। कोर्ट ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि यदि ब्याज सहित मुआवजा राशि 8 लाख रुपये से कम है तो उसे कम से कम आठ लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। कोर्ट को बताया गया कि आवेदक के पुत्र ने एक जून 2014 को गया जंक्शन जाने के लिए गाड़ी संख्या 53608 की द्वितीय श्रेणी का टिकट खरीदा था। अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन से टिकट लेकर ट्रेन में चढ़ा पर यात्रियों की धक्का-मुक्की के कारण वह चलती ट्रेन से गिर गया। ट्रेन से गिरने के चलते बिपुल साव गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल अनुग्रह नारायण लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने मुआवजा राशि के लिए पटना स्थित रेलवे दावा न्यायाधिकरण में केस दायर किया। न्यायाधिकरण ने आवेदक के अविवाहित पुत्र की मृत्यु पर 4 लाख रुपये का मुआवजा 12 प्रतिशत सालाना साधारण ब्याज के साथ देने का आदेश दिया। इस आदेश पर रेलवे ने पुनर्विचार अर्जी दायर कर ब्याज को चुनौती दी। न्यायाधिकरण ने अपने पूर्व के फैसला में संशोधन करते हुए 6 प्रतिशत साधारण ब्याज देने का आदेश दिया, जिसे आवेदक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने आवेदक और रेलवे की ओर से पेश दलीलों को सुनने के बाद यह फैसला दिया।

जन्मजय गांव में आपसी विवाद में नया मोड़

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के दौला पंचायत के जन्मजय गांव में हुई लूट की घटना में नया मोड़ सामने आया है। घटना के बाद सदर थाने में दर्ज प्राथमिकी में मामला सामने आया है। इसमें पुलिस की जांच में प्रथमदृष्टया यह बातें सामने आई है कि आपसी विवाद के कारण घटना घटित हुई थी। पीड़ित द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार घटना से 1 दिन पहले गांव में किसी विवाद को लेकर पंचायती हुई थी। इसके ठीक एक दिन बाद पीड़ित शमशेर आलम के घर घटना घटित हुई। मामले में एक नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है। घटना के दिन एसडीपीओ गौतम कुमार और सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार खुद घटनास्थल पर पहुंचे थे। पुलिस ने मौके से घर वालों का बयान भी लिया था। सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बारीकी से घटना की पड़ताल की गई, जो चौंकाने वाले थे। एसडीपीओ गौतम कुमार ने बताया कि सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बारीकी से घटना की जांच की गई है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

यूजी सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण समाप्त

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर शुक्रवार बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण व स्वच्छ वातावरण में संचालित होते हुए समाप्त हो गई। एलएनडी कॉलेज के केंद्राधीक्षक प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि यहां सभी परीक्षार्थियों की सीसीटीवी द्वारा सतत् निगरानी करते हुए परीक्षा संपन्न करायी गई। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सर्वेश दूबे के अनुसार शुक्रवार को सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर के लिए प्रथम पाली में ग्रुप सी व डी तथा द्वितीय पाली में ग्रुप ई व एफ के एसीई इन्वायरनमेंटल साइंस पत्रों की परीक्षा थी। प्रथम पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 967 परीक्षार्थियों में 931 उपस्थित व 36 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 652 परीक्षार्थियों में 642 उपस्थित व 10 अनुपस्थित रहा। पूरी परीक्षा अवधि में निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। संयुक्त केंद्राधीक्षक डॉ.कुमार राकेश रंजन ने बताया कि इस सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा सात अगस्त को थी जिसे सिपाही भर्ती परीक्षा के कारण विस्तारित कर नौ अगस्त को कर दिया गया था। ज्ञात हो कि इस केंद्र पर डॉ.श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय, मोतिहारी, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज एवं केएसआरएनएस कालेज केसरिया के परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कमलेश कुमार सिंह व आरक्षक भी अपने कर्तव्य निर्वहन पर मुस्तैद रहे। इस परीक्षा के संचालन में डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, प्रो.राकेश रंजन कुमार, डॉ.रविरंजन सिंह, रेखा कुमारी, प्रियंका कुमारी, अभिलाषा कुमारी, रणविजय सिंह आदि वीक्षकों महत्वपूर्ण भुमिका रही।

महावीरी अखाड़ा में हुए विवाद में शिक्षक की चाकू मार कर हत्या

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र के अजगरी पंचायत के मठवा टोला गांव में गुरूवार की देर रात महावीरी अखाड़ा में खेलने के दौरान हुए विवाद में जमकर चाकूबाजी हुई। इसमें गुप्ती(चाकू) लगने से एक शिक्षक की मौत हो गई। मृतक कि पहचान अजगरी पंचायत निवासी कृष्णनंदन राम का बेटा शिक्षक राजकुमार राम (38) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर रात महावीरी झंडा के दौरान आयोजित अखाड़े में लोग करतब दिखा रहे थे। इसी बीच मृतक के भाई से विवाद हो गया।जो देखते ही देखते मारपीट और चाकूबाजी में तब्दील हो गया।इसी दौरान बीच बचाव कर रहे शिक्षक राजकुमार को चाकू लग गया। जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। स्थानीय लोगो ने हत्या का आरोप गांव के ही जितेंद्र सिंह (55) और उसके बेटे राजीव पर लगाते हुए जमकर धुनाई कर दी।हालांकि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची बंजरिया थाना पुलिस ने दोनो को हिरासत में ले लिया है।जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। वही घटना के संबंध में मारपीट में घायल अजगरी निवासी जितेंद्र सिंह (55) ने बताया कि गुरुवार की रात सभी लोग गांव में झंडा खेल रहे थे। इसी बीच उसका (मृतक) का भाई एक मोटा लकड़ी उठा कर मार रहा था। इस पर मैंने मना किया तो वह झगड़ा करने लगा। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। इस बीच राजकुमार अपने भाई को बचाने के लिए पहुंचा। जहां उसे चाकू लग गया।जितेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के बाद डर से सभी लोग भागना शुरू कर दिए। इस बीच मुझे और मेरे बेटे को पकड़ कर लोग पीटने लगे। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। चाकू किस ने मारा, किसी ने नहीं देखा है। उल्लेखनीय है,कि मृतक राजकुमार की शिक्षक पत्नी की कुछ वर्ष पूर्व मौत हो गई।जिसके बाद राजकुमार को पत्नी की जगह अनुकंपा पर नौकरी लगी थी। मृतक को 2 बेटी और 1 बेटा है।जो अब अनाथ हो चुके है।घटना को लेकर एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि गुरुवार की रात झंडा खेलने के दौरान हुए विवाद में चाकूबाजी हुई है। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं दो अन्य घायल है।जिनका इलाज चल रहा है। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनो सौप दिया गया है।मौके पर एफएसएल की टीम को भेजी गई है। कुछ लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।जल्द ही इस घटना में संलिप्त सभी लोगो को पकड़ लिया जायेगा।

एसएसबी जवानो ने किया भारत मां के नाम पौधारोपण

बीएनएम। मोतिहारी

सएसबी 47वीं वाहिनी के जवानो ने शुक्रवार को एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देना था। प्रत्येक बल कर्मी ने 'भारत मां' के नाम से एक-एक वृक्ष लगाया।कार्यवाहक कमांडेंट दीपक कृष्ण ने इस अवसर पर पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने में इनका अहम योगदान होता है। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए भी एक सशक्त संदेश है। कार्यक्रम के दौरान 47वीं वाहिनी द्वारा लगभग 1000 पौधे रोपण किया गया। इन पौधों की देखभाल और संरक्षण का जिम्मा भी बल कर्मियों ने उठाया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सभी पौधे स्वस्थ और सुरक्षित रूप से बढ़ सकें।

जनता दरबार में 36 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम "जनता के दरबार" में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 36 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इस जनता के दरबार में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस अवसर अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, राजेश्वरी पांडेय, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा-सह-विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने अपनी यूं अंदाज में गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा को दी बधाई

पिपल के पत्तों पर कलाकृति उकेर नीरज चोपड़ा को दी बधाई

बीएनएम। मोतिहारी

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शुक्रवार को इस खबर की जानकारी होते ही सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने उनको बधाई देने के लिए पिपल के हरे पत्तों पर अपनी अनोखी कलाकृति बनाई और लिखा है "सिल्वर इंडिया"। सैंड आर्टिस्ट श्री कुमार ने इस कलाकारी के माध्यम से अपनी खुशी जाहिर करते मीडिया को बताया कि नीरज चोपड़ा दो ओलंपिक पदक जीतने वाले आजाद भारत के पहले एथलीट हैं। इन्होंने पिछले कुछ समय से लगातार उपलब्धियां हासिल कर देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। बता दें कि नीरज चोपड़ा फाइनल में 89.45 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ के साथ दूसरे स्थान पर रहे और लगातार दूसरी बार ओलंपिक पदक जीतने में सफल रहे। मौके पर उपस्थित सैकड़ो युवाओं ने नीरज चोपड़ा को सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई देते सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र की कलाकृति की सराहना की।

रेलवे गेटमैन गोली कांड में दो अज्ञात अपराधियों पर एफआईआर दर्ज

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के रक्सौल-सुगौली रेल खंड के मसनाडीह रेलवे फाटक संख्या 14 ए पर कार्यरत गेटमैन गोली कांड में गेटमैन के फर्द बयान पर शुक्रवार को रक्सौल पुलिस ने दो अज्ञात अपराधियों पर एफआईआर दर्ज कर जांच में जुट गई है। गेट मैन अंसारुल हक़ ने होश में आने के बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसकी जानकारी देते हुए पुलिस इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि अपने बयान में घायल गेट मैन ने बताया कि एक दिन पूर्व भी दो संदिग्ध को रेलवे फाटक के समीप लाइन पर घूमते देखा था। घटना के दिन रात में केबिन का गेट बंद कर ट्रेन का लोकेशन फोन के माध्यम से ले रहा था। रात्रि करीब 12 बजे कर 30 मिनट पर दो अज्ञात अपराधी आये और केबिन का गेट खोलने को कहा। गेट मैन ने गेट नही खोला तो उसमें एक अपराधी ने पिस्तौल निकाल कर गोली चला दी जो गेट मैन के सीने के आरपार हो गई। घायल अंसारुल हक़ ने किसी तरह इसकी सूचना अपने कार्यालय में दी। जिसके बाद आनन फानन में गेट मैन को हॉस्पिटल पहुचाया गया।

गांजा तस्करी मामले में एक को दस वर्षों का सश्रम कारावास

बीएनएम। मोतिहारी

एनडीपीएस कोर्ट 2 के अनन्य विशेष न्यायाधीश सूर्यकांत तिवारी ने गांजा तस्करी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को दस वर्षों का सश्रम कारावास एवं दो लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए है। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा जीतना थाना के अगरवा निवासी अर्जुन दास को हुई। मामले में ढाका थाना के पुअनि अजय कुमार ने नामजद अभियुक्त के विरुद्ध ढाका थाना कांड संख्या 582/2021 दर्ज कराया था। जिसमें कहा था कि 4 दिसंबर 2021 की सुबह 6.30 बजे पुलिस गस्ती के दौरान ढाका थाना के बड़ी गंवई एवं छोटी गंवई के बीच मुर्दाघटी के समीप एक युवक को मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। जांच के दौरान मोटरसाईकिल पर बांधा एक बैग में छुपाकर रखा 22 किलोग्राम तस्करी का गांजा बरामद किया गया। एनडीपीएस वाद संख्या 117/2021 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक प्रभाष त्रिपाठी ने पांच गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने नामजद अभियुक्त को दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

साइक्लिंग प्रतिभा खोज से अच्छे साइक्लिस्ट की होगी पहचान- कौशल

एकलव्य आवासीय साइक्लिंग केंद्र के लिए सेलेक्शन ट्रायल आयोजित, विभिन्न विद्यालयों के बालक व बालिकाओं ने लिया भाग

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में शुक्रवार को जिला खेल प्रशासन एवं पूर्वी चम्पारण जिला साइक्लिंग संघ के देखरेख में एकलव्य आवासीय साइक्लिंग सेलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया गया। शहर के छतौनी स्थित स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में आयोजित सेलेक्शन ट्रायल का उद्घाटन साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के सचिव डॉ. कौशल किशोर सिंह, स्पोर्ट्स क्लब के सचिव प्रभाकर जायसवाल, बिहार बॉल बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव गौरीशंकर, जिला साइक्लिंग संघ के सचिव व अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। सम्बोधित करते हुए साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के सचिव डॉ. कौशल सिंह ने कहा कि बिहार में खुलने वाले चार एकलव्य आवासीय साइक्लिंग केंद्र (बालक-बालिका) के लिए खिलाड़ियों का चयन सेलेक्शन ट्रायल के द्वारा किया जाएगा जिसकी शुरुआत मोतिहारी से आज से हुई है। सूबे में साइक्लिंग के क्षेत्र में छिपी हुई प्रतिभा को चिन्हित करने के लिए सेलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साइक्लिंग प्रतिभा खोज एक बेहतर प्रक्रिया है जिसके माध्यम से अच्छे साइक्लिस्ट की पहचान की जा सकती है। प्रतिभा खोज के माध्यम से चयनित खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के तहत राज्य में खुलने वाली चार एकलव्य आवासीय साइक्लिंग प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना के तहत आवासन, भोजन और पढ़ाई की सुविधा निःशुल्क राज्य सरकार के द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

सम्बोधित करते हुए स्पोर्ट्स क्लब के सचिव प्रभाकर जायसवाल ने कहा कि एकलव्य आवासीय केंद्र के लिए बेहतर बच्चों को सामने लाने के लिए सेलेक्शन ट्रायल एक बेहतर प्रक्रिया है। इसे सही से पूरा करके अच्छे बच्चों को सामने लाया जा सकेगा। इसके बाद शारीरिक मापदंड आधारित सेलेक्शन प्रक्रिया की शुरुआत हुई। जिसके तहत रनिंग, वर्टिकल जम्प और ब्रॉडगेज जम्प में बच्चों ने भाग लिया। बालक वर्ग में 1600 मीटर दौड़ और बालिकाओं ने 800 मीटर दौड़ में हिस्सा लिया। स्टेट सेलेक्टर टीम के सदस्यों में साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के चीफ कोच अभय कुमार लूईस और सीनियर साइक्लिस्ट श्याम कुमार शामिल थे। इस मौके पर जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा, संयुक्त सचिव अशोक मेहरा, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार, मीडिया प्रभारी पंकज वर्मा, जिला खेल कार्यालय के कर्मी मोहम्मद मोबशिर, रमेश कुमार व शारीरिक शिक्षकों में शैलेन्द्र मिश्र बाबा, अरविंद कुमार, भानू प्रकाश, रश्मि कुमारी, अदिति सिंह, अरुण गुप्ता, सुनील श्रीवास्तव सहित कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया नागपंचमी व महावीरी झंडा का पर्व, प्रशासन रहा चुस्त दुरुस्त

बीएनएम। पचपकड़ी

पचपकड़ी थाना क्षेत्र के अनेक पंचायतों के गांव में महाबीरी झंडा को लेकर गांव से लेकर हरेक चौक चौराहों पर आज सुबह से ही सभी लोगो में उत्साह देखने को मिला। वही सभी जगहों के चौक चौराहों पर दुकानदारों ने अपने अपने दुकानों पर मिठाई की दुकान से लेकर बच्चो को लुभावने खिलौनों से बाजार पटा हुआ दिखा। महावीरी झंडा को दोपहर में ही सजाधजा कर झंडा को खड़ा कर दिया गया। जिसमे गांव के सभी नवजवानों ने हाथ में तलवार, भाला, बाना,बरछी,लाठी,डंडा लेकर तरह तरह की करतब दिखा रहा था,जिसको लेकर दर्शको में काफी जोश उत्साह के साथ देख रहे थे। वही पचपकड़ी थानाध्यक्ष संदीप कुमार अपने दलबल के साथ सभी झंडा स्थल(रैन) पर गस्तिदल के साथ भ्रमण करते हुए शांति पूर्वक खेलने को लेकर अपील करते रहे,साथ ही पचपकड़ी थाना क्षेत्र के अनेक गांव से पचपकड़ी बाजार पर आने वाले झंडा को लेकर रास्ते में पुलिस बल को तैनात किया गया था,जिसमे थानाध्यक्ष स्वयं गस्ति कर के सभी पुलिस बल को हौसला अफजाई करा रहे थे। आगे बताते चले की दो - तीन दशक पूर्व में ढाका,पचपकड़ी थाना क्षेत्र दो समुदाय को लेकर चर्चा हुआ करता था।लेकिन समय परिवेश बदलने के साथ आज दोनो समुदाय अपने अपने पर्व को शांति पूर्व मानने के साथ एक दूसरे को सहयोग के साथ भाईचारगी माहौल भी बन गया है,जिसको लेकर आज एक दूसरे के पर्व में खुल कर सहयोग करने के साथ आजादी से पर्व भी माना रहे हैं। नागपंचमी के दिन महावीरी झाड़ा को लेकर के जहां प्रशासन बैचेन रहता था,वही आज भाईचारगी में पर्व को मानने में मिशाल कायम किया हुआ है। वही पचपकड़ी थानाध्यक्ष संदीप कुमार से पूछने पर बताया की क्षेत्र में सभी जगहों पर क्षेत्र के सभी समुदाय के लोगो के सहयोग से शांतिपूर्ण महावीरी झंडा की जुलूस से लेकर रैन तक झंडा खेलते हुए शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है।

नागपंचमी पर दूबे टोला में दंगल का आयोजन

- सौ जोड़ी पहलवानों के बीच हुई कुश्ती
- 1940 से होता आ रहा है महावीरी झंडा व दंगल का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर प्रखण्ड के उत्तरी मधुबनी पंचायत के दुबे टोला में नागपंचमी के अवसर पर महावीरी झंडा व दंगल का आयोजन हुआ । दंगल के पूर्व दूबे टोला हनुमानजी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद महावीरी झंडा बाजे गाजे व जुलूस के साथ अखाड़ा स्थल पहुंचा। जहा जगदेव आखड़ा में दंगल प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय के प्रतिनिधि शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय, संग्रामपुर सीओ अतुल कुमार सिंह , थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दो पहलवानो के बीच हाथ मिलाकर किया।जौनपुर के गया पहलवान व पश्चिमी चंपारण के सतन पहलवान के बीच बेजोड़ कुश्ती में गया ने सतन को पटखनी दी। उक्त दंगल में सौ जोड़ी पहलवानो के बीच कुश्ती हुई । यूपी ,हरियाणा, नेपाल व बिहार के कई जिलों से पहलवान पहुचे थे । झंडा व कुश्ती समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दुबे व संयोजक सह शिक्षाविद राकेश द्विवेदी ने बताया कि 1940 से महावीरी झंडा व कुश्ती होते आ रहा हैं । मेला को सफल बनाने में रविशंकर दुबे, मुकेश दुबे, हिटलर दुबे , सुधाकर दुबे हिमांशु दुबे आदि लगे हुए थे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर थानाध्यक्ष के साथ पुलिस टीम लगी हुई थी ।

प्रधानाध्यापक पर विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र निर्गत करने में अवैध वसूली का आरोप

बीएनएम | अरेराज प्रवीण कुमार पाण्डेय

एक तो सरकारी विद्यालयों में पठन-पाठन भगवान भरोसे है। ऐसे में अगर विद्यालय में अध्यनरत छात्रों को अपनी कक्षा की पढ़ाई पूरी करने के बाद दूसरे विद्यालय में प्रवेश करने के लिए संबंधित विद्यालय को परित्याग प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए गरीब छात्रों को अगर चढ़ावा देना पड़े तो इसकी व्यवस्था गरीब, मजदूरों के बच्चे कहां से करेंगे। यह भगवान भरोसे ही है। ऐसा ही ताजा मामला अरेराज प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय नवादा में देखने को मिला है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय के प्रधानाध्यापक मिथिलेश कुमार मिश्रा के द्वारा विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए प्रति छात्र 500 से 700 रुपए अवैध वसूली किया जाता है। छात्रों द्वारा प्रधानाध्यापक को सेवा शुल्क नहीं देने पर प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जाता है। वही मध्याह्न भोजन में भी भारी गड़बड़ी का आरोप छात्रों के अभिभावकों ने लगाया है। मामले को लेकर छात्रों के अभिभावकों ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को आवेदन दिया है। दिए गए पत्र में अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि मिड डे मील का सही से विद्यालय में संचालन नहीं होता है। प्रधानाध्यापक की मनमानी के चलते छात्रों के अनुपात में एमडीएम नही बनता है। आवेदन देने वालों में रामाजीत यादव, राहुल कुमार चौबे, चंकी कुमार पांडेय, रविशंकर शर्मा, समीर हुसैन, अरमान अंसारी, अभिषेक कुमार, अर्जुन पांडेय, राजा कुमार, उपेंद्र चौबे, मुन्ना आलम सहित कई लोग शामिल हैं। इस बावत प्रधानाध्यापक श्री मिश्रा ने बताया कि सभी आरोप बेबुनियाद हैं। वही बीआरसी से मोबाइल पर संपर्क करने पर संपर्क स्थापित नहीं हो सका। बहरहाल मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के जांच के बाद ही खुलासा हो सकता है।

बिहार पृथ्वी दिवस पर छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण हेतु 11 सूत्रीय संकल्प और पौधरोपण किया

- पर्यावरण को बचाने हेतु शिक्षक और छात्रों ने शपथ ग्रहण कर किया पौधरोपण
- स्कूल कैंपस को ग्रीन कैंपस बनाने हेतु पौधरोपण कर मनाया गया बिहार पृथ्वी दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के राजेपुर अवस्थित उच्च मध्य एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय, तेतरिया के शिक्षक व छात्रों ने "बिहार पृथ्वी दिवस" बहुत ही शानदार तरीके से मनाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कंप्यूटर शिक्षक मुन्ना कुमार के संयोजन में बच्चों ने अपने-अपने घर से विभिन्न तरह के पेड़-पौधा लेकर आए जिसमें तुलसी, गेंदा, चमेली, कदम्ब, कनैल, एलोवेरा आदि शामिल रहा। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाध्यापक जटा शंकर प्रसाद ने अन्य शिक्षकों और छात्रों के साथ मिलकर पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। स्कूल कैंपस को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया गया। वहीं कुमकुम झा ने सभी बच्चों और शिक्षकों को 11 सूत्रीय शपथ ग्रहण करायी और पर्यावरण को बचाने हेतु संकल्प लिया। सांसे हो रही है कम, आओ पेड़ लगाए हम जैसे नारों से बच्चों ने जोश भर दिया। इस कार्यक्रम में स्कूल के बिरेंद्र प्रसाद यादव, सारिका सिंह, शशि प्रभा जैसवाल, कुमारी शिल्पा, रूपम वर्मा, गौरव सिंह, आर के कुशवाहा, निर्मला चौधरी, राधा देवी, श्री कांत राम, सौरव कुमार ,पंकज कुमार, संजय कुमार आदि शामिल रहे। वहीं इको क्लब, यूथ क्लब,बाल संसद और मीना मंच के छात्र शामिल रहे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

चिंतन मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मों ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके ह्रास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता। पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

ललित गर्ग

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा? इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है। हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था। मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है। भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भुटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं। बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी। ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पडोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी स्थिति कतई नहीं बननी चाहिए कि जहां राजनीतिक दलों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जायें कि फौज का दखल देना पड़े या पडोसी देश अपनी स्वार्थों की रोटियां सेंकने में सफल हो जाये। भारत के पडोसी देशों के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। इन पडोसी देशों के नेता दो तरह के हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो सभी पडोसी देश मिलकर विश्व में एक बड़ी ताकत बन सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इन पडोसी देशों के स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने की अपेक्षा है। भारत इस स्थिति में है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
चाणक्य

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
धीरूभाई अंबानी

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि षष्ठी, शनिवासरे, चित्रा नक्षत्रे, साध्य योगे, तैतिल करणे, तुला की चंद्रमा, कल्कि अवतार, षष्ठी, बंगाल, सर्वार्थ सिद्ध द्विपुस्कर योग तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी होगा।
मेष :- स्वभाव से पारिवारिक सफलता मिल सकती है, व्यवसाय में अच्छी उन्नति होगी।
वृष :- कार्यों में सफलता मिले मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, शत्रु कमजोर होंगे।
मिथुन :- सप्ताह उत्तम फलकारक है, अधिकारियों का पूर्ण सहयोग-समर्थन मिलेगा।
कर्क :- नौकरी में व्यवधान हो सकता है, व्यवसाय ठीक नहीं रहेगा ध्यान रखें।
सिंह :- आप आनंद का अनुभव करेंगे, केतु गृह पीड़ा कारक, आपसी मतभेद से बचकर चलें।
कन्या :- मनोरंजन से अति हर्ष होगा, व्यवसाय में लाभ होगा, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।
तुला :- पारिवारिक उत्तरदायित्व की वृद्धि होगी, आमोद-प्रमोद में विशेष ध्यान देंगे।
वृश्चिक :- मानसिक तनाव अकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों से सहानुभूति अवश्य ही बढ़ेगी।
धनु :- व्यवसाय की उन्नति से आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार होगा, ध्यान रखें।
मकर :- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारी वर्ग की कृपा का लाभ अवश्य मिलेगा।
कुम्भ :- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग हो, उन्नति एवं लाभ के योग अवश्य बनेंगे।
मीन :- गृह कलह, हीन मनोवृत्ति, शरीर पीड़ा से परेशानी अवश्य ही बन जायेगी।

हसीना का हटना भारत विरोधी ताकतों में मजबूती

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

बांग्लादेश में राजनीति बंद, विरोध, गरीबी और आतंकवाद से बाहर निकल कर विकास के मुद्दे पर आगे बढ़ रही थी, लेकिन शेख हसीना के सत्ता से हटते ही अब वह सफर थम जाने का अंदेशा है। बांग्लादेश की राजनीति में दूसरा बड़ा चेहरा खालिदा जिया हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की यह नेता अब ताकतवर होंगी। खालिदा को जहां कट्टरपंथी ताकतों का समर्थक माना जाता है वहीं हसीना उदार और भारत समर्थक मानी जाती हैं। बांग्लादेश की राजनीति के केंद्र में भारत समर्थन और भारत विरोध की शक्तियां समानांतर कार्य करती हैं। इस साल बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री हसीना ने सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए कहा था कि अगर उनकी पार्टी चुनाव जीतती है तो भारत के साथ सहयोग जारी रहेगा। यह भी स्पष्ट भी किया गया था कि भारत के साथ भूमि सीमाओं के सीमांकन और परिक्षेत्रों के आदान-प्रदान की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हो गया है। हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश ने अपने क्षेत्र में उग्रवादियों, अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों और अलगाववादी समूहों की उपस्थिति को रोकने के लिए दृढ़ता दिखाई और इससे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में शांति की स्थापना में बड़ी मदद मिली। खालिदा की राजनीति भारत के हितों पर चोट करने वाली और पाकिस्तान के ज्यादा करीब नजर आती है। करीब डेढ़ दशक पहले बीएनपी सरकार के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों को बड़ी मदद मिली। बीएनपी की जमात और इस्लामिक कट्टरपंथियों से पुरानी करीबी है। खालिदा की सहयोगी पार्टी जमात-ए-इस्लामी को देश की सबसे बड़ी इस्लामी राजनीतिक पार्टी माना जाता है। जेआईबी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के गठबंधन का सदस्य रह चुकी है। 1971 में स्वतंत्रता युद्ध में इस दल ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। बाद में यह बांग्लादेश के इस्लामीकरण के प्रयास में जुटकर एक सक्रिय दल के रूप में उभरा। जमात-ए-इस्लामी वही संगठन है, जिसने तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा किए जाने के बाद बांग्लादेश बनेगा अफगानिस्तान जैसे नारे गढ़े हैं। यह इस्लाम के कट्टर और रूढ़िवादी रूप को बांग्लादेश में लाना चाहता है। जमात-ए-इस्लामी का सहयोगी संगठन है हुजी। हरकत-उल-जिहाद-अल इस्लामी बांग्लादेश नामक यह आतंकी संगठन कथित तौर पर ओसामा बिन लादेन को अपना आदर्श मानता रहा है। इस संगठन की मांग है कि बांग्लादेश को इस्लामिक स्टेट में बदल दिया जाए। हुजी-बी का लक्ष्य बांग्लादेश में युद्ध छेड़कर और प्रगतिशील बुद्धिजीवियों की हत्या करके इस्लामी हुकूमत स्थापित करना है। दो दशक पहले भारत के गृह मंत्रालय ने एक दस्तावेज तैयार किया था, जिसका शीर्षक था-पाकिस्तान के वैकल्पिक परोक्ष युद्ध का आधार। इसमें पाकिस्तान द्वारा अपनी विध्वंसात्मक गतिविधियों को तेज करने के लिए चलाए गए नये ऑपरेशन के बारे में उल्लेख था। इस दस्तावेज में खास तौर पर बताया गया था कि पाकिस्तान अपने भारत विरोधी अभियानों के लिए बांग्लादेश को एक नये आधार के रूप में विकसित कर रहा है। इस बात का भी खुलासा था कि पाकिस्तान ने लगभग 200 आतंकवादी प्रशिक्षण कैंपों को पहले ही अपने यहां से हटाकर बांग्लादेश में व्यवस्थित करवा चुका है।
भारत और बांग्लादेश के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक संबंधों के कारण हूजी को जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हूजी कार्यकर्ता कथित तौर पर भारत के पूर्वी गलियारे में अक्सर घुसपैठ करते हैं ताकि क्षेत्र के आतंकवादी और विध्वंसक संगठनों के साथ संपर्क बनाए रख सकें। हूजी को भारत में कई स्थानों पर आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार पाया गया है। यह अलकायदा तथा तालिबान मिलिशिया से मजबूत संबंधों के बूते दक्षिण एशिया के कई देशों में कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा दे रहा है। पूर्व सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में मुजाहिदीन के साथ लड़ने के लिए बड़ी संख्या में मुजाहिदीन अफगानिस्तान गए थे। 1990 के दशक में बेगम खालिदा जिया के राजनीतिक दल बीएनपी शासन के दौरान इनमें से बड़ी संख्या में मुजाहिदीन बांग्लादेश लौट आए और अब देश में कट्टरपंथी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। हूजी के असम से भी संबंध हैं। हूजी कथित तौर पर बांग्लादेश में चटगांव पहाड़ी इलाकों में स्थित उल्फा के कुछ शिविरों का प्रबंधन करता है, जो भारतीय राज्य त्रिपुरा की सीमा पर स्थित हैं। बांग्लादेश में हुजी को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसी मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों का संरक्षण प्राप्त है।

कैसे देश जीतेगा जंग नशे के खिलाफ

आर.के. सिन्हा

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकटों पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्त्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। नशे की गिरफ्त में आकर लोग अक्सर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरूकता की परम आवश्यकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है। केवल व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जोनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो। नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के-लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार-विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मोकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जरूरी मान बैठे हैं। दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन, मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेड्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को।नए जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई-सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसमें धुआं भले ही न हो, लेकिन निकोटीन होने से स्वास्थ्य के लिए नुकसान में जरा सी भी कमी नहीं है। राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन वली कहते हैं, "भारत में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी), गर्म तम्बाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण

इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है।" जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुँचने और इंसान को निकोटीन का प्रभाव देने में भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटीके साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं। इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवद्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो बिना तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे-, " सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा हैं, क्योंकि देश भर में सड़क के आसपास बनी दुकानों में तंबाकू आसानी से उपलब्ध है। मौजूदा सरकारी नीतियां तंबाकू के बढ़ती लत को रूकवाने में विफल रही हैं। अब इस मसले को रोकने के लिए विकसित देशों में अपनाए गये वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों पर विचार करना जरूरी है। इससे तंबाकू के सेवन पर रोक लगाने में कारगर सफलता मिल सकती है।" आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह-अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं। मुझे लगातार इस तरह के परिवारों के बारे में पता चलता है जो अपने किसी सदस्य के नशे का दास बनने से परेशान है। हमारे युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। युवावस्था में करियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः नशे के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धुएँ के छल्ले उड़ाना और महँगी पार्टीज में शराब के सेवन करना उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक भी जान पड़ता है। दरअसल नशे के बढ़ने के कई आयाम हैं। इसके खिलाफ सारे देश को मिलकर लड़ना होगा। वर्ना तो नशे की लत का विस्तार जारी ही रहेगा।

शब्द पहेली - 8215

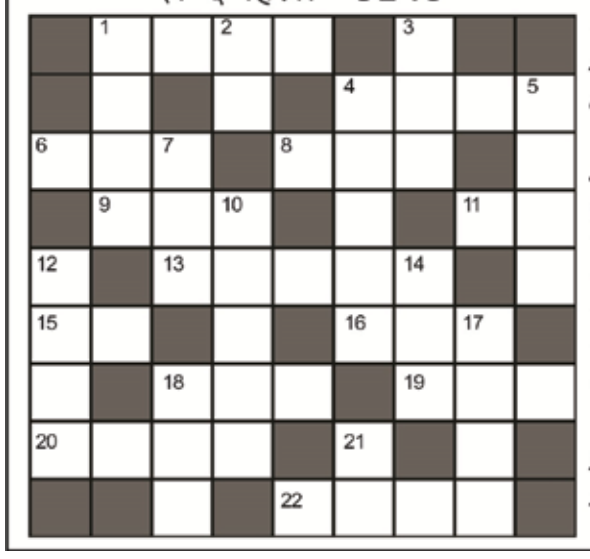

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8214 का हल

क	दा	खा	र	■	स	त	ल	ज
ल	■	य	ती	म	खा	ना	■	हा
प	र	■	■	दा	■	■	खा	ल
ना	च	■	क	री	ब	■	ल	त
■	■	ब	ना	■	ला	ल	ब	■
अ	क्ष	■	त	ह	त	■	ल	क
रा	र	■	■	सौ	■	■	न	या
ध	■	न	वी	न	त	म	■	म
ना	म	व	र	■	क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7153

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7152 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

स्टार्टअप नहीं, बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं युवा

आर्थिक अनिश्चितताओं और भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के सामने आने वाली हालिया चुनौतियों के साथ, नौकरी चाहने वाले अब स्टार्टअप्स के बजाय बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं.

नौकरी और पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म अपना डॉट को के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 73 प्रतिशत नौकरी चाहने वाले संगठन के साथ काम करने और करियर में आगे बढ़ने के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों को पसंद करते हैं. रिपोर्ट में यह बात सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक केवल 27 प्रतिशत कर्मचारी अभी भी करियर के विकास के लिए स्टार्टअप पर स्विच करने पर विचार करेंगे. अपना डॉट को के संस्थापक और सीईओ निरमित पारिख ने कहा, नौकरी चाहने वालों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ भारत का नौकरी बाजार तेजी से विकसित हो रहा है. ऐसे में नौकरी चाहने वाले अब बेहतर करियर की संभावनाओं के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं.

10 हजार नौकरी चाहने वालों से पूछे गए सवाल

रिपोर्ट तैयार करने के लिए में 10,000 से अधिक नौकरी चाहने वालों और 1,000 मानव संसाधन भर्तीकर्ताओं के बयानों को शामिल किया गया है. इसके मुताबिक नियोक्ता एक कौशल-प्रथम दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहे हैं. रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि नौकरी चाहने वाले नौकरी की तलाश करते समय, स्थान, आने जाने और वर्क लाइफ बैलेंस और कंपनी की संस्कृति के साथ-साथ वेतन के साथ-साथ करियर के विकास के अवसरों को प्राथमिकता देते हैं. लगभग 73 प्रतिशत भारतीय अपनी नौकरी की खोज में करियर के विकास को प्राथमिक कारक मानते हैं. यहां तक कि वर्क लाइफ बैलेंस और लचीले काम के घंटों के महत्व को भी पार कर जाते हैं. 10 में से लगभग 9 नियोक्ताओं ने कुशल पेशेवरों के महत्व को भर्ती के लिए एक प्रमुख मानदंड के रूप में पहचाना है, हालांकि 10 में से केवल 6 नियोक्ताओं ने अपने संगठनों में अपस्किलिंग कार्यक्रमों को लागू किया है. इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ता अब तकनीकी कौशल वाले उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में भूमिकाओं के लिए. लगभग 65 प्रतिशत पेशेवर नौकरी के साक्षात्कार में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल को एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री के रूप में महत्वपूर्ण मानते हैं.

स्टार्टअप्स में नौकरी जाने का डर

रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं प्रासंगिक कौशल पर अधिक जोर देती हैं, 77 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने 51 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में इसके महत्व का संकेत दिया है. नौकरी के लिए बड़ी कंपनियों को चुनना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि लोग छंटनी से बचना चाहते हैं क्योंकि हाल के दिनों में स्टार्टअप्स में छंटनी तेजी से बढ़ी है. स्टार्टअप कवरेज पोर्टल इंक42 ने पिछले महीने एक रिपोर्ट जारी की थी. उसके मुताबिक देश में अब तक 84 स्टार्टअप द्वारा 24,256 कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है. कर्मचारियों को बर्खास्त करने वाले स्टार्टअप्स की सूची देश में बढ़ती ही जा रही है.

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में खास है नीदरलैंड

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करते हुए इस देश की प्राकृतिक सुंदरता को देखना हॉलैंड में अध्ययन के लिए शायद सबसे बड़ी खासियत है, जिसे नीदरलैंड के रूप में भी जाना जाता है। सब कुछ से परे, हॉलैंड को शिक्षा के मामले में दुनिया के सबसे अच्छे देशों में से एक के रूप में जाना जाता है। इसमें 2,100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन कार्यक्रम और पाठ्यक्रम हैं, जिन्हें पढ़ाया जा रहा है और उनमें से अधिकांश अंग्रेजी में हैं, जो इसे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। यहां के कुछ सबसे लोकप्रिय शहरों में एम्स्टर्डम, वेल्प, हरलेम, ड्रोन्टेन, एसेन आदि शामिल हैं।

नीदरलैंड आपको सुंदर परिदृश्य और सीखने और अध्ययन के लिए बहुसांस्कृतिक समुदाय का एक समृद्ध मिश्रण प्रदान करता है। यहां रहने और अध्ययन की लागत अधिकांश अन्य यूरोपीय देशों के बराबर है, लेकिन आपके द्वारा चुने गए विश्वविद्यालय या कार्यक्रम के आधार पर इसे कम किया जा सकता है। शीर्ष हॉस्टल यहां स्थित हैं और अतिथि आवास के रूप में कुछ आवास प्रदान करते हैं या यहां तक कि बाहर के परिसर में से एक में साझा कमरे भी हैं।

छात्रवृत्ति

यहां छात्रवृत्ति और अनुदानित शिक्षा प्राप्त करने की प्रणाली अपेक्षाकृत आसान है। डच उच्च शिक्षा सब्सिडी वाली है और ट्यूशन फीस अपेक्षाकृत कम है। यूरोपीय संघ के छात्रों के लिए वार्षिक ट्यूशन फीस लगभग व 1,950 से शुरू होती है। जो गैर-यूरोपीय संघ के देशों से आते हैं, स्नातक कार्यक्रमों के लिए औसत ट्यूशन शुल्क 6,000 और 15,000 के बीच हो सकता है, एक मास्टर कार्यक्रम के लिए वे 8,000 और 20,000 के बीच हो सकते हैं। इंजीनियरिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के मामले में छात्रवृत्ति विभिन्न विश्वविद्यालयों और यहां तक कि कुछ निजी कंपनियों के माध्यम से उपलब्ध हैं। यहाँ उपलब्ध सामान्य छात्रवृत्ति विकल्पों की एक सूची इस प्रकार है-

- शैक्षणिक अनुसंधान छात्रवृत्ति
- एम्स्टर्डम मेरिट स्कॉलरशिप
- कैनन फाउंडेशन रिसर्च फैलोशिप
- सीईयू प्रेशिडियम लिबर्टीटिस छात्रवृत्ति
- जापान / विश्व बैंक स्नातक छात्रवृत्ति कार्यक्रम
- लीडेन विश्वविद्यालय उत्कृष्टता छात्रवृत्ति कार्यक्रम
- मार्टेन वैन हेंगेल ऋण कार्यक्रम
- मास्ट्रिच यूनिवर्सिटी हॉरर छात्रवृत्ति के शहर
- छात्रवृत्ति अटलांटिस
- स्कॉलरशिप बीकास मागदालेना ओ। वडा। डी ब्रॉकमैन
- छात्रवृत्ति अनुदान अनुबंध - एफओएनसीओ
- टीयू डेल्फ़ एक्सेलेंस स्कॉलरशिप - इंडस्ट्रियल डिज़ाइन इंजीनियरिंग
- टीयू डेल्फ़्ट एक्सेलेंस स्कॉलरशिप - डीआरआई इन्फ्रास्ट्रक्चर और मोबिलिटी
- यूनिवर्सिटी ऑफ़ ट्वेंटी स्कॉलरशिप
- वेबस्टर विश्वविद्यालय गेटवे छात्रवृत्ति

हॉलैंड में शिक्षा प्रणाली

हॉलैंड में शिक्षा की एक द्विआधारी प्रणाली है। इसका अर्थ है कि आप दो प्रकार की शिक्षा में से किसी एक को चुन सकते हैं अनुसंधान-उन्मुख शिक्षा, अनुसंधान विश्वविद्यालयों द्वारा पेशकश की। उच्च पेशेवर शिक्षा, लागू विज्ञान के विश्वविद्यालयों द्वारा पेशकश की। उच्च शिक्षा कार्यक्रमों में से एक में प्रवेश के लिए, किसी को संस्थान से संपर्क करने और अपनी पसंद के कार्यक्रम पर लागू होने वाली सटीक प्रवेश आवश्यकताओं का पता लगाना होगा। अधिकांश स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए, आपको उचित स्तर पर माध्यमिक-स्कूल डिप्लोमा की आवश्यकता होती है। प्रत्येक संस्थान का अलग-अलग मापदंड होता है। हालांकि, एक छोटा राष्ट्र होने के नाते हमेशा बहुत सारे आवेदक होते हैं और कोटा वास्तव में तेजी से भरा जाता है। मास्टर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश के लिए, किसी को स्नातक की डिग्री या उसके समकक्ष प्राप्त करना होगा। आप देखेंगे कि आप अपनी पसंद का डिप्लोमा चुन सकते हैं और यह उनकी आधिकारिक वेबसाइटों पर देखा जा सकता है।

भाषा आवश्यकताएँ

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को अच्छी तरह से अंग्रेजी बोलना, पढ़ना और लिखना अनिवार्य है। अधिकांश विश्वविद्यालय अंग्रेजी भाषा की परीक्षा देना अनिवार्य कर देते हैं। आईईएलटीएस और टीओईएफएल आमतौर पर स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन कुछ कैम्ब्रिज अंग्रेजी के लिए भी जांच कर सकते हैं। टीओईएफएल के लिए आवश्यक स्कोर कम से कम 550 (पेपर आधारित) या 213 (कंप्यूटर आधारित) हैं। आईईएलटीएस के लिए कम से कम 6 का स्कोर आवश्यक है। कुछ कार्यक्रमों की अलग-अलग आवश्यकताएं हो सकती हैं।

प्रारंभिक वर्ष

कुछ मामलों में, विश्वविद्यालय आपके लिए स्नातक या मास्टर पाठ्यक्रम लेने से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी करना अनिवार्य कर सकता है। इसे तैयारी वर्ष के रूप में भी जाना जाता है। डच उच्च शिक्षा संस्थान आपको सशर्त स्वीकृति पत्र प्रदान करता है। डच आव्रजन कानून के अनुसार, आप अपनी पढ़ाई से पहले अधिकतम एक वर्ष के लिए नीदरलैंड में आने के लिए योग्य हैं ताकि प्रारंभिक पाठ्यक्रम का पालन किया जा सके और संस्था द्वारा निर्धारित परीक्षाओं को पास किया जा सके। उसी को पूरा करने पर, आप तब स्वीकृति का सशर्त पत्र प्राप्त कर सकते हैं जिसे स्वीकृति के निश्चित पत्र में बदल दिया जाता है।

तीन चक्र

2002 में हॉलैंड ने स्नातक की मास्टर डिग्री की शुरुआत की। हालाँकि, अभी भी दो प्रकार की शिक्षा के बीच एक अंतर मौजूद है। यह अनुसंधान विश्वविद्यालयों और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विश्वविद्यालयों दोनों में उपलब्ध है। एक स्नातक की डिग्री (पहला चक्र) प्राप्त कर सकता है, फिर आप मास्टर डिग्री (दूसरा चक्र) के लिए आगे बढ़ सकते हैं। मास्टर कार्यक्रम को पूरा करने के बाद आप पीएचडी डिग्री या पीडीएएन डिग्री प्रोग्राम (तीसरा चक्र) शुरू कर सकते हैं।

लोकप्रिय पाठ्यक्रम

इंजीनियरिंग

प्रमुख इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय तकनीकी डिजाइनर कार्यक्रमों की पेशकश करते हैं जिनमें उन्नत अध्ययन और कई इंजीनियरिंग क्षेत्रों में एक व्यक्तिगत डिजाइन कार्य शामिल है। तकनीकी डिजाइनर कार्यक्रम को पूरा करने के लिए 2 साल हैं और स्नातकों को इंजीनियरिंग में व्यावसायिक डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त होती है।

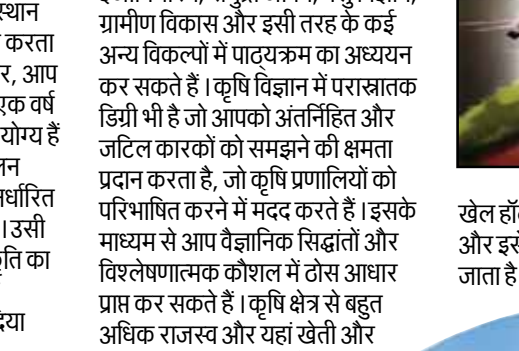

अनुसंधान

उन्मुख स्नातक कार्यक्रमों तक पहुंचने के लिए, छात्रों को एक वीडब्ल्यूओ डिप्लोमा होना चाहिए या लागू विज्ञान के विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रम के पहले वर्ष (60 क्रेडिट) को पूरा करना होगा। छात्रों के बाद की श्रेणी में, अतिरिक्त चयन मानदंड लागू हो सकते हैं। लागू विज्ञान के विश्वविद्यालयों में न्यूनतम पहुंच आवश्यकता या तो एक डिप्लोमा या माध्यमिक व्यावसायिक शिक्षा (एमबीओ) का डिप्लोमा है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों।

कृषि और पर्यावरण

आप पर्यावरण विज्ञान, बायोसिस्टम्स इंजीनियरिंग, समुद्री जीवन, पशु विज्ञान, ग्रामीण विकास और इसी तरह के कई अन्य विकल्पों में पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकते हैं। कृषि विज्ञान में परास्नातक डिग्री भी है जो आपको अंतर्निहित और जटिल कारकों को समझने की क्षमता प्रदान करता है, जो कृषि प्रणालियों को परिभाषित करने में मदद करते हैं। इसके माध्यम से आप वैज्ञानिक सिद्धांतों और विश्लेषणात्मक कौशल में ठोस आधार प्राप्त कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र से बहुत अधिक राजस्व और यहां खेती और कृषि के बहुत सारे अवसरों के साथ, कोई भी आसानी से एक ऐसे पाठ्यक्रम में उद्यम कर सकता है जो दोनों दुनिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदान करता है।

प्रबंधन

हॉलैंड में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर प्रबंधन पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इनमें बैचलर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज (बीबीए) कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीयकरण और वैश्वीकरण के साथ-साथ मास्टर्स में भी समान पाठ्यक्रम शामिल हैं। पाठ्यक्रम आपको एक अंतरराष्ट्रीय वातावरण में काम करने और एक उद्यम के उच्च व्यावसायिक परिणाम प्राप्त करने के लिए सह-जिम्मेदार होने की पेशकश करता है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ प्रबंधन के संयोजन के लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठा के साथ, यह सुनिश्चित है कि प्रबंधन का अध्ययन करने के लिए एक शानदार जगह है।

खेल

खेल हॉलैंड में प्रोत्साहित किया जाता है और इसे विश्वविद्यालय स्तर पर भी पढ़ाया जाता है। मूल रूप से पाठ्यक्रम में व्यावहारिक ज्ञान से लेकर सिद्धांत कक्षाओं तक सब कुछ शामिल है। इन कोर्सेज को करने से फिजिकल फिटनेस, कोचिंग, थेरेपी और अन्य विषयों के मिश्रण के बारे में भी जान सकते हैं जो कि खेल विज्ञानों पर केंद्रित हैं। क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेलों के साथ, अपनी खुद की एक लीग लेकर, आप पाएंगे कि यहां लेने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

कंप्यूटर विज्ञान

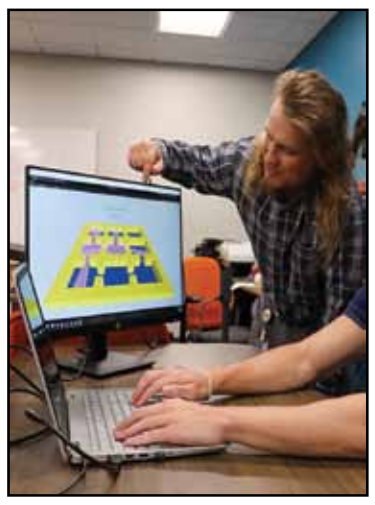

कंप्यूटर विज्ञान यहाँ और अन्य जगहों पर बहुत मांग में है। औसतन, यहां काम करने वाले पेशेवर एक वर्ष में लगभग 23,144 यूरो कमाते हैं। कंप्यूटर विज्ञान और इसके आवेदन पाठ्यक्रमों में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों डिग्री शामिल हैं, साथ ही हॉलैंड की कुछ बेहतरीन कंपनियों में इंटर्नशिप प्राप्त करने का अवसर भी है। एक बहुसांस्कृतिक देश होने के नाते कई आगामी संस्थान हैं जो यहां व्यावहारिक और सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों का मिश्रण पेश करते हैं। पाठ्यक्रम के जोर में व्यवस्थित प्रक्रियाओं (जैसे एल्गोरिदम) का अध्ययन करना शामिल है ताकि अधिग्रहण, प्रतिनिधित्व, प्रसंस्करण, भंडारण, संचार और सूचना तक पहुंच की सहायता की जा सके। कंप्यूटर विज्ञान प्रक्रियाओं की व्यवहार्यता, संरचना, अभिव्यक्ति और मशीनीकरण के विश्लेषण पर छात्रों को बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना है। वे पायथन और सी, हास्केल, जावा और पास्कल जैसी भाषाओं में दक्षता हासिल करते हैं।

भारतीय टीम अब एक माह आराम के बाद बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरा समाप्त हो गया है। हस दौरे में भारतीय टीम को जहां टी20 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 3-0 से जीत मिली थी। वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को श्रीलंका में 27 साल के बाद किसी एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। अब भारतीय टीम को करीब एक माह से अधिक का ब्रेक मिला है। टीम अब अपना अगला मैच 19 सितंबर को बांग्लादेश से अपनी ही धरती पर खेलेगी हालांकि जिस प्रकार के हालात बांग्लादेश में है उसमें उसके भारत दौरे पर आशंकाएं भी लगायी जा रही हैं। अभी तक तय कार्यक्रम के अनुसार भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट चेन्नई में 19 सितंबर से शुरु होगा जबकि दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से 1 अक्टूबर तक कानपुर में होगा। टेस्ट सीरीज के बाद भारत श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगा। बांग्लादेश सीरीज के बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड से खेलना है। कीवी टीम 24 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत दौरे पर आयेगी। टेस्ट सीरीज के बाद, भारत चार मैचों की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका जाएगा। ये सीरीज 8 नवंबर से 15 नवंबर के बीच खेली जाएगी। भारत इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज खेलेगा।

पेरिस ओलंपिकः जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने जीता रजत पदक, पाकिस्तान के खाते में स्वर्ण

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में जेवलिन में भारतीय थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। उन्होंने 89.45 मीटर का थ्रो फेंका। वहीं, पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर का थ्रो फेंककर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जबकि ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने कांस्य पदक जीता, जिन्होंने 88.54 मीटर दूरी तक थ्रो किया। नीरज चोपड़ा का पहला प्रयास फाउल रहा था। हालांकि दूसरे प्रयास में नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर की दूरी पर भाला फेंककर सिल्वर मेडल पोजीशन हासिल की थी। उसके बाद नीरज के शेष प्रयास फाउल रहे। यह उनका सीजन का बेस्ट थ्रो है, इससे पहले उनका बेस्ट थ्रो ओलंपिक्स के क्वालीफिकेशन में आया था, जहां उन्होंने 89.34 मीटर की दूरी तय की थी। पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो में ही 92.97 मीटर का लगाया। उन्होंने छठा और आखिरी थ्रो 91.79 मीटर का लगाया। इस तरह नदीम ने और स्वर्ण पदक जीता। पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है।

पेरिस ओलंपिकः समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे पीआर श्रीजेश, मनु भाकर

नई दिल्ली। बुधवार को फ्रांस की राजधानी में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त करने वाली भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश 11 अगस्त को पेरिस 2024 ओलंपिक के समापन समारोह के दौरान मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे। 36 वर्षीय श्रीजेश 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के नामांकन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।" आईओए अध्यक्ष डॉ पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे, जिसमें शेफ डी मिशन गगन नारंग और संपूर्ण भारतीय दल शामिल थे। उन्होंने कहा, "श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और सामान्य तौर पर भारतीय खेल की सराहनीय सेवा की है।" डॉ. उषा ने कहा कि उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से बात की है, जिन्होंने गुरुवार को रजत पदक जीतकर लगातार ओलंपिक खेलों में दूसरा पदक जीता है। उन्होंने कहा, "मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और उस सहजता और शालीनता की सराहना की जिसके साथ वह इस बात पर सहमत हुए कि श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक होना चाहिए।" उन्होंने मुझसे कहा, 'मैम, अगर आपने मुझसे नहीं भी पूछा होता तो भी मैं श्रीभाई का नाम सुझाता।' बता दें कि कुछ दिन पहले ही मनु के नाम का ऐलान हुआ था। भारत की आजादी के बाद वह एक ही ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) में कांस्य पदक जीता था।

भारतीय हॉकी टीम ने ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडल जीता

पेरिस। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक का ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। टीम इंडिया ने स्पेन को 2-1 से हराया। दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। वे 10 गोल के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी हैं। ओलिंपिक का यह ब्रॉन्ज मेडल मैच गोलकीपर श्रीजेश का आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला था। उन्होंने ओलिंपिक से पहले ही अपने संन्यास का ऐलान कर दिया था। श्रीजेश ने ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 11 पेनल्टी कॉर्नर सेव किए थे। यह मैच पेनल्टी शूटआऊट में गया था, इसमें भी उन्होंने 2 शानदार सेव किए थे। इंडियन टीम ने ओलिंपिक में लगातार दूसरा ब्रॉन्ज मेडल जीता है। टोक्यो में इंडिया ने जर्मनी को हराकर ब्रॉन्ज जीता था। ये हॉकी के लिए ओलिंपिक में 13वां मेडल है।

बुची बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव दिलीप ट्रॉफी से पहले कोयंबटूर में होने वाले बुची बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश कर रहा है। ये टूर्नामेंट 27 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा। सूर्यकुमार इसमें मुम्बई की ओर से खेलेंगे। वहीं सरफराज खान इसके लिए टीम के कप्तान बनाये गये हैं क्योंकि नियमित कप्तान आजिंक्य रहाणे अभी काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा, ''सूर्यकुमार मुंबई के लिए दूसरा मैच खेलेंगे। वह भारत के लिए सभी तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं। इस कारण वह जब भी खाली रहते हैं तो मुंबई के लिए खेलने को तैयार रहते हैं। सूर्यकुमार 27 से 30 अगस्त तक कोयंबतूर में तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश के खिलाफ मुंबई सीए एकादश की ओर से दूसरे मैच में खेलेंगे। सूर्यकुमार इसमें खेलकर टीम के युवाओं कों प्रेरित करना चाहते हैं। इस टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों की टीमें घरेलू क्रिकेट सत्र से पहले अपनी तैयारियों को परखती हैं। पिछली बार इसमें मध्य प्रदेश टीम ने मेजबान तमिलनाडु एकादश को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई थी तब यह मुकाबला ड्रा रहा था पर पहली पारी की बढ़त के आधार पर मप्र को विजेता घोषित किया गया था।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज रिकवरी मोड में नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत शानदार मजबूती के साथ हुई। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.99 प्रतिशत और निफ्टी 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स, टाटा मोटर्स, ओएनजीसी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 4.07 प्रतिशत से लेकर 2.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बीपीसीएल, एचडीएफसी लाइफ, सिप्ला और आईटीसी के शेयर 1.27 प्रतिशत से लेकर 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,227 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,719 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 508 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 1 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहा था। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और 4 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,098.02 अंक की छलांग लगा कर 79,984.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 450 अंक टूट कर 79,549.09 अंक तक गिर गया। हालांकि इसर गिरावट के बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 784.58 अंक की मजबूती के साथ 79,670.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 269.85 अंक की मजबूती के साथ 24,386.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 300 अंक से अधिक की मजबूती के साथ 24,419.75 अंक के स्तर तक पहुंचा। लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 239 अंक की बढ़त के साथ 24,356 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 581.79 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,886.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 180.50 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,117 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

लोकसभा में बैंकिंग कानून में संशोधन से जुड़ा विधेयक पेश

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग नियमों में बदलाव से जुड़ा बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। विधेयक का उद्देश्य भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम में संशोधन करना है। वित्त मंत्री के पेश इस बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 में प्रति बैंक खाते में नामांकित व्यक्तियों के विकल्प को मौजूदा एक से बढ़ाकर चार करने का प्रावधान है। इस विधयेक में पत्नी/पति या माता-पिता के अलावा भाई-बहन को भी नॉमिनी बनाने का विकल्प मिलेगा। बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पिछले हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की थी। इसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट भाषण में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की घोषणा की थी।

देश की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर मुकेश अंबानी परिवार की संपत्ति

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी का परिवार सबसे बड़ा कारोबारी परिवार बन कर उभरा है। ये राशि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 10वें हिस्से के बराबर है। बार्कलेज-हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट में मुकेश अंबानी परिवार की कुल 25,75,100 करोड़ रुपये की संपत्ति आंकी गई है, जो भारत की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर है। अंबानी परिवार आरआईएल के नेतृत्व में ऊर्जा, रिटेल और दूरसंचार क्षेत्रों में मुख्य तौर पर अपना कारोबार करता है। यह रैंकिंग 20 मार्च, 2024 को कंपनी के मूल्यांकन पर आधारित है। बार्कलेज-हुरुन इंडिया के मुताबिक मुकेश अंबानी परिवार के बाद सबसे ज्यादा संपत्ति रखने वाला दूसरा कारोबारी परिवार है बजाज, जिनकी कुल संपत्ति 7.13 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। वहीं, बिड़ला परिवार की संपत्ति मूल्य के मामले में तीसरे स्थान पर है। इस समूह की कमान बिड़ला परिवार की चौथी पीढ़ी के कुमार मंगलम बिड़ला संभाल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इन तीनों प्रमुख कारोबारी परिवारों की कुल संपत्ति 460 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो सिंगापुर की जीडीपी के बराबर है। इस सूची में सज्जन जिंदल को 4.71 लाख करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति के साथ चौथे पायदान तथा 4.30 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ नादर परिवार 5वें स्थान पर है।

एफकॉम होल्डिंग्स की लिस्टिंग से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा, ओला इलेक्ट्रिक ने किया निराश

नई दिल्ली। एयर कार्गो कंपनी एफकॉम होल्डिंग्स ने आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तरीके से एंट्री की। कंपनी के शेयर आज 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक के शेयर आज बिना किसी नफा-नुकसान के सपाट स्तर पर बीएसई और एनएसई में लिस्ट हुए। एफकॉम होल्डिंग्स का 73.83 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 2 से 6 अगस्त के बीच खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये आईपीओ ओवरऑल 303.03 गुणा सब्सक्राइब हो गया। इसमें सबसे अधिक 697.88 गुना सब्सक्रिप्शन नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) की ओर से आया, जबकि खुदरा निवेशकों ने 202.83 गुना सब्सक्रिप्शन किया। आईपीओ के तहत निवेशकों को 108 रुपये के भाव पर कंपनी के शेयर जारी किए गए थे। इस आईपीओ के जारिए 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 68,36,400 नए शेयर जारी किए गए थे। कंपनी की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल लीज पर 2 नए विमान लेने, वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, कर्ज चुकाने और कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए होने वाले खर्चों की भरपाई करने में किया जाएगा। आज ही ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों की भी घरेलू शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई। हालांकि ओला इलेक्ट्रिक के शेयर ने लिस्टिंग से अपने निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के जरिए कंपनी के शेयर 76 रुपये के भाव पर निवेशकों को दिए गए थे। आज एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 76 रुपये के भाव पर ही हुई, वहीं बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 1 पैसे के नुकसान के साथ 75.99 रुपये पर हुई थी। हालांकि लिस्टिंग के बाद ओला इलेक्ट्रिक का शेयर बढ़ कर 79.15 के स्तर तक पहुंचा। इसके बावजूद इस फीकी लिस्टिंग से निवेशकों को काफी निराशा का सामना करना पड़ा। ओला इलेक्ट्रिक का 6,145.56 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 6 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था इस दौरान ये आईपीओ 4.45 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ था।

फिर आई हसीन दिलरुबा के एक साथ सारे गाने हुए रिलीज

पिछले कुछ समय से तापसी पन्नू अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर सुर्ख़ियां बटोर रही हैं।इस फिल्म में विक्रांत मैसी और सनी कौशल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 2021 में आई फिल्म हसीन दिलरुबा की दूसरी किस्त है।फिर आई हसीन दिलरुबा का प्रीमियर 9 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।इससे पहले अब निर्माताओं ने एक साथ फिल्म के सारे गाने रिलीज कर दिए हैं, जिन्हें प्रशंसक पंसद कर रहे हैं। हसीन दिलरुबा में कुल 3 गाने होंगे, जिसमें हंसते हंसते, क्या हाल है और आजाद शामिल हैं।हंसते हंसते को सचेत टंडन ने अपनी आवाज दी है, वहीं क्या हाल है के लिए सिर सचेत ने अपनी पत्नी परंपरा टंडन के साथ लगाए हैं।फिर आई हसीन दिलरुबा के निर्देशन की कमान जयप्रद देसाई ने संभाली है। फिल्म की कहानी कनिका ढिल्लों ने लिखी है। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। रानी और रिशु अब आगरा में हैं और एक नई जिंदगी शुरू करने के लिए भाग रहे हैं, लेकिन उनकी जिंदगी में नई एंट्री उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। इससे पहले ट्रेलर में फिल्म की रोमांचक कहानी की झलक देखने को मिली थी। ट्रेलर में रानी और रिशु की अपने परेशान अतीत से आगे बढ़ने की कोशिशों की झलक दिखाई गई, लेकिन वे नई चुनौतियों में उलझ जाते हैं। जैसे ही वे एक शांतिपूर्ण जीवन की खोज में आगे बढ़ते हैं, तभी सनी कौशल उनकी जिंदगी में दस्तक देते हैं और वे एक नई राह पर चल पड़ते हैं। हसीन दिलरुबा नेटफ्लिक्स पर 2021 में रिलीज हुई थी, जिसमें विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे ने अभिनय किया था।

खेल खेल में का नया गाना दूर न करें हुआ रिलीज

वाणी कपूर के साथ रोमांस करते दिखे खिलाड़ी

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म सरफिरा में नजर आ रहे हैं। हालांकि, इन दिनों सिनेमाघरों में लगी इस फिल्म की ज्यादा चर्चा नहीं है। इस बीच खिलाड़ी की अगली फिल्म चर्चा में हैं। अक्षय कुमार अब खेल खेल में फिल्म में नजर आएंगे। आज इस फिल्म का नया गाना दूर ना करीं रिलीज हुआ है। इसमें वे वाणी कपूर के साथ रोमांस करते नजर आए हैं। इस गाने को विशाल मिश्रा और जहरा एस खान ने गाया है। इस गाने को दूर न करें को विशाल मिश्रा और जहरा एस खान ने आवाज दी है। इस गाने के बोल गीतकार कुमार ने लिखे हैं। तनिष्क बागची ने गाने को कंपोज किया है। इस फिल्म में तापसी पन्नू, वाणी कपूर और फरदीन खान अहम किरदार अदा करते नजर आएंगे। एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अक्षय कुमार की इस फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। फिल्म अगले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला कई चर्चित फिल्मों से होने वाला है। इनमें श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 और जॉन अब्राहम की वेदा जैसी फिल्में शामिल हैं। अक्षय कुमार की इस फिल्म को टी-सीरीज और वकाओ फिल्म्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। दर्शकों को अब फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है। ट्रेलर 2 अगस्त को मुंबई में एक भव्य इवेंट में लॉन्च होगा। खेल खेल में के थिएट्रिकल ट्रेलर को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन द्वारा यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया है, जिसका रन टाइम 3 मिनट 8 सेकंड बताया जा रहा है। अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा इसी महीने रिलीज हुई। लेकिन, सिनेमाघरों में इसे कोई पानी भी पूछता नजर नहीं आ रहा है। 12 जुलाई को रिलीज हुई यह फिल्म कल्कि 2898 एडी, किल और अब अमेरिकी फिल्म डेडपूल और वूल्वरिन के बीच दबकर रह गई। अब देखना दिलचस्प होगा कि खेल खेल में अक्षय कुमार की किस्मत को कहां लेकर जाती है।

हंसिका मोटवानी की हॉरर फिल्म गांधारी का भयानक ट्रेलर रिलीज़

तमिल फिल्मों में अक्सर नज़र आने वाली हंसिका मोटवानी अब गांधारी नाम की नई फिल्म लेकर आ रही हैं। हंसिका और निर्देशक आर कन्नन 2013 में सेट्टाई/ क्रेजी के बाद गांधारी में साथ काम कर रहे हैं, जो डेल्ही बेली की रीमेक थी। निर्माताओं ने हॉरर फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया है। हालांकि ट्रेलर में बहुत कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन यह बताता है कि एक परित्यक्त और प्रेतवाधित महल की दिव्य सीलिंग टूट जाती है, जिससे गांधारी (हंसिका) नाम की एक आत्मा बाहर आ जाती है, जो उस जगह की रखवाली करती है। हंसिका, दोहरी भूमिका में हैं, फिल्म में हिंदू ट्रस्ट समिति की प्रमुख अधिकारी की भूमिका भी निभाती हैं। फिल्म की कहानी एक युवा महिला पर आधारित है जो हिंदू ट्रस्ट समिति की मुख्य अधिकारी के रूप में काम करती है और सदियों पहले एक पूर्व राजा द्वारा निर्मित गंधर्व कोट्टई नामक एक प्राचीन विशाल संरचना के अनुसंधान में जुट जाती है। इस प्रक्रिया में उसे कई चौंकाने वाली घटनाओं का सामना करना पड़ता है। हंसिका मेट्रो सिरीश, मायिलसामी, थलाइवासल विजय, आदुकलम नरेन, स्टंट सिल्वा, विनोदिनी, पवन, ब्रिगेडा सागा, वडिवेल मुरुगन, कलैरानी और कई अन्य कलाकारों के साथ महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शामिल होंगी। निर्देशक आर कन्नन अपने मसाला पिक्स बैनर के तहत इस परियोजना का समर्थन करेंगे। तकनीकी दल में छायाकार बालासुब्रमण्यन, संगीत निर्देशक एलवी गणेश मुथु शामिल हैं। निर्माता अगस्त में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

शमा सिकंदर ने क्रॉप टॉप पहन दिए किलर पोज, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

टीवी की खूबसूरत अदाकारा शमा सिकंदर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो आए दिन अपने स्टाइलिश लुक और बोल्ड ड्रेसिंग सेंस से लोगों के बीच लाइमलाइट में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अवतार नजर आ रहा है. शमा ने ब्लू कलर डेनिम क्रॉप टॉप और पैंट पहना है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है साथ ही ईयररिंग्स उनपर काफी जच रहे हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस की हॉटनेस ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. एक्ट्रेस का यह ग्लैमरस अवतार देख यूजर्स खुद को रोक नहीं पा रहे हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट ड्रॉप कर रहे हैं. टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर को अपने फैंस का दिल जीतना अच्छी तरह से आता है. एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस और बोल्ड फिगर के चलते सोशल मीडिया पर सुर्ख़ियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए नहीं थकते हैं। बता दें कि चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस शमा सिकंदर अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका सिजलिंग अवतार अक्सर फैंस के बीच तबाही मचा देता है।

म्यूजिक एल्बम जिक्र तेरा में कुणाल जयसिंह के साथ काम करना मजेदार : सुरभि चंदना

टीवी इंडस्ट्री में मशहूर एक्ट्रेस सुरभि चंदना के लाखों दीवाने हैं। उनका चुलबुला और दिलकश अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। इन दिनों वह अपने नए म्यूजिक एल्बम जिक्र तेरा को लेकर खूब सुर्ख़ियां बटोर रही हैं। इसमें उनके साथ इश्कबाज के को-स्टार कुणाल जयसिंह हैं। कुणाल जयसिंह के बारे में बात करते हुए सुरभि ने कहा, कुणाल और मैं एक दूसरे को इश्कबाज के दिनों से ही जानते हैं। इश्कबाज से पहले भी हमने साथ में एक्टिंग वर्कशॉप की थी। हमने साथ में करीब ढाई से तीन साल तक काम किया। उन्होंने कहा, इतने सालों के बाद फिर से साथ काम करना और एक-दूसरे के साथ सही जोड़ी बनाना, मेरे लिए एक बहुत ही अलग और मजेदार एक्सपीरियंस था। जिक्र तेरा एक रोमांटिक गाना है, जिसकी शूटिंग कश्मीर में हुई है। कुणाल ने गाने में राहील नामक एक गुंडे का किरदार निभाया है, वहीं सुरभि ने इनाया का रोल अदा किया है। यह गाना 8 अगस्त को फील गुड ओरिजिनल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाला है। सुरभि ने फिलहाल टीवी से ब्रेक लिया हुआ है। उन्हें पिछली बार शेरदिल शेरगिल में धीरज धूपर के साथ देखा गया था। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो सुरभि ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में मशहूर कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से की थी। इसमें वह स्वीटी की भूमिका में नजर आईं। उन्हें जी टीवी के सीरियल जमाई राजा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर सलेक्ट किया गया था, लेकिन बाद में मेकर्स ने निया शर्मा को चुन लिया। इसके बाद वह स्टार प्लस के शो एक ननद की खुशियों की चाबी... मेरी भाभी में काम किया था। वह सुजैन के रोल में थीं। वह जी टीवी के शो कुबूल है का हिस्सा रहीं। इसमें उन्होंने हया का किरदार निभाया और यहां से वह दर्शकों के बीच पहचानी जानी लगी, लेकिन लोकप्रियता इश्कबाज से मिली। इसमें उन्होंने अनिका ओबेरॉय का किरदार निभाया। वह टीवी शो संजीवनी के नए सीजन में डॉक्टर इशानी अरोड़ा के किरदार में नजर आई थीं। टीवी शो नागिन में उन्हें लोगों ने काफी पसंद किया। वह म्यूजिक वीडियो बेपनाह प्यार में भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, हुनरबाज में उन्होंने एंकर के तौर पर भारती सिंह को रिप्लेस किया।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी जाह्नवी कपूर की उलझ, लाखों कमाना भी हो रहा मुश्किल

जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म 'उलझ दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब साबित हुई है. हालांकि रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी बज देखा जा रहा था लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसकी बेहद धीमी शुरुआत हुई. वीकेंड पर भी फिल्म की कमाई में मामूली तेजी ही देखी गई. वहीं वीकडेज में तो 'उलझ की हालत बेहद पतली हो गई है. फिल्म के लिए लाखों कमाना भी मुश्किल हो गया है. दोनों ही फिल्में अलग-अलग जॉनर की हैं. लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच कर लाने में नाकामयाब रही हैं. खासतरौ पर 'उलझ का तो बहुत बुरा हाल है. यूं कहिए कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई है. फिल्म की शुरुआत ही बेहद खराब हुई थी और फिर ओपनिंग वीकेंड पर भी ये टिकट काउंटर पर स्ट्रगल करती हुई नजर आई. वहीं अब रिलीज के पहले हफ्ते में ही ये फिल्म लाखों में सिमट गई है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'उलझ ने रिलीज के पहले दिन 1.15 करोड़ का केलक्शन किया था. दूसेर दिन फिल्म ने 1.75 करोड़ कमाए. तीसरे दिन फिल्म की कलेक्शन 2 करोड़ रहा और चौथे दिन 'उलझ ने 57 लाख का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'उलझ ने रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को भी 65 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'उलझ का 5 दिनों का कुल कारोबार अब 6.20 करोड़ रुपये हो गया है. 'उलझ का बॉक्स ऑफिस पर टिकना बेहद मुश्किल लग रहा है. फिल्म को रिलीज हुए महज 5 दिन हुए हैं और ये अब लाखों कमाने में भी काफी स्ट्रगल कर रही है. 'उलझ की कमाई की रफ्तार इतनी धीमी है कि अब इसका बॉक्स ऑफिस से पैकअप होता हुआ नजर आ रहा है. ये फिल्म अपनी आधी लागत तो दूर 10 करोड़ का आंकड़ा भी छूने में फेल साबित हो रही है. उलझ में जाह्नवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया, आदिल हुसैन, रोशन मैथ्यूज और राजेश तैलंग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. इस फिल्म का निर्देशन सुधांशु सरिया ने किया है.

15 नहीं अब 14 अगस्त को रिलीज होगी स्त्री 2!, हॉरर कॉमेडी फिल्म के 1 दिन पहले होंगे नाइट शो

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 अपनी रिलीज के नजदीक पहुंच रही है. स्त्री 2 को रिलीज होने में अब बस एक हफ्ता बचा है. इस बीच स्त्री 2 को लेकर बड़ा अपडेट आया है. स्त्री 2 आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है, लेकिन फिल्म स्त्री 2 की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट आया है. अब फिल्म एक दिन पहले यानि 14 अगस्त को रिलीज होने जा रही है. बता दें, 15 अगस्त को जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की एक्शन ड्रामा फिल्म वेदा, अक्षय कुमार, फरदीन खान, एमी वर्क, आदित्य सील, तापसी पन्नू, प्रज्ञा जायसवाल, वाणी कपूर स्टारर कॉमेडी ड्रामा फिल्म खेल खेल में भी रिलीज होने जा रही है. रिपोर्ट्स की मानें तो स्त्री 2 के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पहले यह बड़ा कदम उठाया है. फिल्म के डायरेक्टर अमर कौशिक के साथ मिलकर फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान और जियो स्टूडियोज ने 14 अगस्त को फिल्म स्त्री 2 के नाइट शो चलाने का प्लान किया है. इससे पहले स्त्री 2 के मेकर्स ने अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या के लिए भी ऐसा किया था और इसके मिडनाइट शो चलाए थे. वहीं, स्त्री 2 के नाइट शो 14 अगस्त को शाम 7.30 बजे से शुरू होंगे. 14 अगस्त को फैन ओनली इवेंट्स के जरिए स्त्री 2 के नाइट शो चलाने की तैयारी है. हालांकि के स्त्री 2 के मेकर्स की इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. स्त्री 2 के बारे में बता दें मडोक के हॉरर यूनिवर्स की फिल्म है, जिसका पहला पार्ट साल 2018 में रिलीज हुई थी. पूरे छह साल बाद स्त्री का पार्ट 2 आ आ रहा है. फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी एक बार फिर अपने कॉमिक अंदाज से हंसाने आ रहे हैं.